आज का सुविचार

व्यौहार वह दर्पण है जिसमें प्रत्येक का प्रतिबिम्ब देखा जा सकता है।

- गेटे

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221

डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

वर्ष-5 अंक-51 भोपाल, रविवार 02 जनवरी, 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

पंचांग

पौष कृष्णा द्वादशी , शुक्रवार 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:59/5:42
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	40 %
वायु (किमी/घं.)	10
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला

₹ 49,270

शेयर सूचकांक

बीएसई	57794.32	-12.17
निफ्टी	17203.95	-9.65

पीएम किसान की 10वीं किस्त जारी

मोदी ने 10.09 करोड़ किसानों के खातों में 20,946 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 10वीं किश्त 10.09 करोड़ से ज्यादा किसानों के खातों में ट्रांसफर की। मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किसानों के बैंक खाते में 20,946 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। कार्यक्रम के दौरान मोदी ने किसानी उत्पादक संगठन से जुड़े लोगों से भी बातचीत की। साथ ही मोदी ने लगभग 351 किसान उत्पादक संगठनों को 14 करोड़ से अधिक का इक्विटी अनुदान भी जारी किया, इससे 1.24 लाख से अधिक किसानों को लाभ होगा। इस मौके पर केंद्रीय कृषि नरेंद्र सिंह तोमर भी मौजूद रहे।

वैष्णो देवी परिसर में हुए हादसे पर शोक व्यक्त किया

कार्यक्रम के दौरान वैष्णो देवी परिसर में हुए हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मैं माता वैष्णो देवी परिसर में हुए दुखद हादसे पर शोक व्यक्त करता हूं। जिन लोगों ने भगदड़ में, अपनों को खोया है, जो लोग घायल हुए हैं, मेरी संवेदनाएं उनके साथ हैं।

पहली किस्त अप्रैल-जुलाई के बीच

दूसरी किस्त अगस्त-नवंबर के बीच

तीसरी किस्त दिसंबर-मार्च के बीच

2070 तक नेट जीरो कार्बन एमिशन का लक्ष्य

क्करूमोदी ने कहा कि क्लाइमेट चेंज के खिलाफ विश्व का नेतृत्व करते हुए भारत ने 2070 तक नेट जीरो कार्बन एमिशन का भी लक्ष्य दुनिया के सामने रखा है।आज भारत हाइड्रोजन मिशन पर काम कर रहा है, इलेक्ट्रिक गाड़ियों में लीड ले रहा है। **इस योजना के तहत साल में मिलते हैं 6 हजार रुपए:-** किसान सम्मान निधि के तहत सरकार हर साल किसानों के अकाउंट में 2-2 हजार रुपए की तीन किस्तों में 6000 रुपए ट्रांसफर करती है। स्कीम के तहत पहली किस्त अप्रैल-जुलाई के बीच, दूसरी किस्त अगस्त-नवंबर के बीच और तीसरी किस्त दिसंबर-मार्च के बीच जारी की जाती है। किस्त का स्टेटस आप अपने मोबाइल पर भी चेक कर सकते हैं। इसके लिए आपको सबसे पहले क्करूकिसान मोबाइल ऐप डाउनलोड करना होगा। ऐप के जरिए आप नए किसान के रूप में रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। अपने आवेदन की स्थिति की जांच कर सकते हैं।

अगर किस्त नहीं आई है तो क्या करें?

अगर आपको इस योजना के रजिस्ट्रेशन में कोई परेशानी आ रही है या आपकी किस्त से जुड़ी कोई समस्या है या कोई और अन्य सवाल है तो इसके लिए आपको किसान सम्मान निधि योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर फार्मर कॉर्नर में हेल्प डेस्क पर जाना होगा। हेल्प डेस्क पर क्लिक करने के बाद यहां आप अपना आधार नंबर, अकाउंट नंबर या मोबाइल नंबर दर्ज करें। गेट डीटेल्स क्लिक करने पर क्वेरी फॉर्म आ जाएगा। यहां ड्रॉप डाउन में अकाउंट नंबर, पेमेंट, आधार और अन्य समस्याओं से जुड़े ऑप्शन दिए गए हैं। अपनी समस्या के हिसाब से इसे चुनें और नीचे इसका विवरण भी लिखे। अब इसे सब्मिट करें। शुरुआत में जब किसान योजना शुरू की गई थी (फरवरी, 2019), इसका लाभ केवल छोटे और सीमांत किसानों के परिवारों के लिए था। इसमें वो किसान शामिल थे।

चेन्नई में भारी बारिश, घरों के अंदर घुसा पानी

मुंबई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में भारी बारिश हुई है। बारिश के चलते सड़कों पर पानी जमा हो गया है जिससे लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। कई इलाकों में तो घरों और दुकानों में भी पानी घुस गया है।

कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज नहीं लगीं तो हरियाणा में आज से पेट्रोल-डीजल नहीं मिलेगा

नई दिल्ली। हरियाणा में ऐसे लोगों को आज घर से बाहर निकलने से पहले कई बार सोचने की जरूरत है जिन्होंने कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज नहीं लगवाई हैं। राज्य सरकार के आदेशानुसार, इन लोगों की आज से सार्वजनिक स्थलों पर एंट्री बैन रहेगी। ऐसे लोग न रोडवेज बस में सफर कर पाएंगे और न ट्रेन में चढ़ पाएंगे। सभी तरह के सरकारी दफ्तरों, बैंकों, मैरिज पैलेस, होटल, रेस्टोरेंट और मॉल में ऐसे लोग प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

भिवानी में पहाड़ दरकने से 20-25 लोग दबे:3 शव निकाले, मरने वाले छत्तीसगढ़ और राजस्थान के

भिवानी। हरियाणा के भिवानी जिले के तोशाम एरिया में शनिवार सुबह 8:30 बजे खनन के दौरान पहाड़ दरक गया, जिसमें 20 से 25 लोग दब गए। फिलहाल तीन मजदूरों के शव निकाले गए हैं। पहाड़ दरकने से गिरे सैकड़ों टन वजनी पत्थरों के नीचे कई पोकलेन मशीनें, ट्रक और अन्य वाहन भी दब गए। वहीं पहाड़ का जो हिस्सा गिरा है उसमें तीन बड़े पत्थर हैं, जिन्हें हटाने में दिक्कत आ रही है। पुलिस और प्रशासन ने मीडिया के घटनास्थल पर जाने पर पाबंदी लगा दी है। हृत्रञ्ज की रोक के कारण तोशाम के डाडम एरिया में खनन कार्य पर रोक थी। शुक्रवार को ही यहां रोक हटने के बाद खनन कार्य शुरू हुआ था। शनिवार सुबह 8:30 बजे खनन के दौरान पूरा पहाड़ दर गया और उसके नीचे करीब 20 से ज्यादा लोग नीचे दब गए। साथ ही मौके पर मौजूद ढुलाई के लिए खड़े वाहन और खनन के लिए इस्तेमाल की जा रही मशीनें भी दब गईं। सूचना मिलने के बाद प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य शुरू करवाया। तीन लोगों के शव मलबे के नीचे से निकाले जा चुके हैं। पहाड़ दरकने से गिरे मलबे में कई हजार टन के तीन बड़े-बड़े पत्थर हैं।

बॉलीवुड की बुरी शुरुआत : 2022 की दो सबसे बड़ी फिल्में आरआरआर और राधे श्याम की रिलीज टलना तय

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

साल की दो सबसे बड़ी फिल्में एसएस राजामौली की आरआरआर और प्रभास स्टारर राधे श्याम की रिलीज डेट टलना तय है। आरआरआर की रिलीज डेट अभी 7 जनवरी और राधेश्याम की रिलीज डेट 14 जनवरी 2022 है। दोनों फिल्मों की रिलीज डेट आगे बढ़ाए जाने का ऑफिशियल अनाउंसमेंट आज शाम तक हो सकता है। मेकर्स कोरोना के बढ़ते केस के चलते यह फैसला ले रहे हैं, क्योंकि महाराष्ट्र समेत आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में 50 फीसदी ऑक्यूपेंसी के साथ थिएटर ऑपरेट हो रहे हैं। वहीं, दिल्ली में सिनेमाघर पूरी तरह से बंद हैं। फिल्म आरआरआर का बजट 400 करोड़ रुपए है। वहीं, राधाकृष्ण कुमार के डायरेक्शन में बनी राधे श्याम का बजट 350 करोड़ रुपए का है। राधे श्याम की पहली रिलीज डेट 30 जुलाई 2021 थी, लेकिन कोविड को देखते हुए इसे टाल दिया गया था।

सपा सरकार बनने पर 300 यूनिट घरेलू बिजली मुफ्त देंगे

किसानों की पूरी सिंचाई फ्री होगी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर 300 यूनिट घरेलू बिजली मुफ्त देने की घोषणा की है। साथ ही किसानों की पूरी सिंचाई मुफ्त होने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि एक छापा ऐसा पड़ा कि देश के लोग नोटों की गड्डीयां देख रहे थे। हमने देखा कि कहीं इससे (कानपुर का इत्र व्यापारी) हमारा संबंध तो नहीं। पक्का हुआ तब कहा कि यह डिजीटल इंडिया की गड़बड़ी है।

वैष्णो देवी मंदिर हादसे में चश्मदीद का दावा

CRPF ने किसी VIP के लिए लोगों को डंडों से डराया था, इससे भगदड़ मच गई; 12 श्रद्धालुओं की मौत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर स्थित माता वैष्णो देवी भवन में शनिवार रात करीब ढाई बजे भगदड़ मच गई। लोग एक दूसरे को रौंदते हुए दौड़ने लगे। इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मृतकों में हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के 8 लोगों की पहचान हो गई है। हादसे के कारणों की जांच के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने आदेश दिए हैं। इसी बीच हादसे को सबसे नजदीक से देखने वाले हिमांशु अग्रवाल ने बताया कि वह हरियाणा में पानीपत के खैल बाजार का रहने वाले हैं। वह अपने दोस्त राघव, हिमांशु शर्मा, जतिन और भारत के साथ दो दिन पहले वैष्णो देवी दर्शन के लिए गए थे। वह दर्शन करके लौट रहे थे। रात करीब ढाई से पौने तीन बजे का समय होगा। दर्शन करने जाने वाले और दर्शन करके वापस आने वाले सभी लोगों की भीड़ चेक पोस्ट 3 के नजदीक जमा हो गई। अब यहां से न ही आने का रास्ता बचा और न ही जाने का रास्ता बचा था। इस बीच, वहां व्यवस्था संभाल रहे ष्टक्रक्कस्न जवानों ने बहुत ही गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाया। भीड़ को थोड़ा-थोड़ा आगे-पीछे करने के बजाय उन्होंने डंडों से लोगों को डराना और धमकाना शुरू कर दिया।

24 घंटे में कोरोना के 22,775 नए मामले; संक्रमितों की संख्या में 36 फीसदी का इजाफा, 4 दिन में 4 गुणा बढ़े नए केस

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

साल 2021 के आखिरी दिन देश में कोरोना के 22,775 केस दर्ज किए गए और संक्रमण से 406 मौतें हुईं। 24 घंटे में देश के कोरोना मामलों में 36 फीसदी का इजाफा दर्ज किया गया। देश में फिलहाल एक्टिव केस की संख्या 1.04 लाख है। देश में पिछले 4 दिनों से कोरोना केस में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। सोमवार को देश में 6,242 नए केस मिले थे। शुक्रवार को मामले 3.6 गुणा बढ़ गए। देश में अब तक ओमिक्रॉन के 1,502 मामले मिले हैं। साल के आखिरी दिन सबसे ज्यादा 74 ओमिक्रॉन केस तमिलनाडु में मिले। 31 नए ओमिक्रॉन केस के साथ दिल्ली दूसरे नंबर रही। बिहार में कोरोना की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। महज 31 दिन में ही 673 नए मामले आए हैं। दिसंबर में एक्टिव मामलों की संख्या 488 हो गई है, जबकि 30 नवंबर को बिहार में एक्टिव मामलों की संख्या महज 39 थी। तेजी से बढ़ रहे मामलों ने बिहार में खतरा बढ़ा दिया है। इस रफ्तार को सरकार भी तीसरी लहर मान रही है। संक्रमण से बचाव को लेकर गाइडलाइन भी सख्त की जा रही है। विधानसभा सत्र के दौरान महाराष्ट्र के 10 मंत्री, 20 MLA कोरोना पॉजिटिव मिले। महाराष्ट्र के डिप्टी ष्टरूअजीत पवार ने कहा कि अगर राज्य में ऐसे ही कोरोना केस बढ़ते रहें तो कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में 8,067 पॉजिटिव केस मिले हैं। 8 लोगों की मौत हुई है, जबकि 1,766 लोग ठीक हुए हैं। नए संक्रमितों में से 5631 मुंबई में ही मिले हैं। यह गुरुवार को मिले 3671 पॉजिटिव केस से तकरीबन दोगुना है। राज्य में ओमिक्रॉन के भी 4 नए मरीज मिले हैं। मुंबई में एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी धारावी में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 34 केस मिले हैं। महाराष्ट्र की महिला एवं बाल विकास मंत्री यशोमति ठाकुर भी कोरोना पॉजिटिव हो गई हैं। उन्होंने खुद इसकी पुष्टि की है। इससे पहले गुरुवार को राज्य के एक अन्य मंत्री बाला साहेब थोराट कोरोना पॉजिटिव हो गए थे।

इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

आईटीडीसी

Classifieds

वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

एयरपोर्ट रोड पंचवटी कॉलोनी में नवनिर्मित 2 BHK फ्लैट बेचना है, कवर्ड केम्पस में सेपरेट पार्किंग, लिफ्ट, फाल- सीलिंग, मोड्यूलर किचिन, 24घंटे पानी, सर्वसुविधायुक्त 9827062212, 8982702122

फ्लैट बेचना है 3 BHK,1856 वर्गफीट थर्ड फ्लोर, गार्डन/ स्विमिंगपुल, फेसिंग कोरलवुड की प्राइम लोकेशन मेन होशंगाबाद रोड पर कीमत 60 लाख संपर्क 9630058868

बेचना है माकन 1500 वर्गफीट बना, पत्रकार कॉलोनी में, कर पार्किंग सुविधा, लिंक रोड के पीछे, रीजनेबल रेट, संपर्क करे- 9098743006, 9300718467

For sale 1200/2100 Sqft Commercial Plots on 200ft Rode & 80ft @ Bagmugaliya Near Aashima mall & 968/1452 sqft @ Misrod Phase-2, BDA. Chugh Syndicate Property Pvt Ltd- 7000122016, 9425666664

बेचना है 22600 वर्गफीट प्लाट कमर्शियल मैन 80 फिट रोड बागमुगलिया, आशिमा मॉल के पास डायवर्सन बी.डी.ए, एन.ओ.सी. सहित मात्र 2000 रुपये वर्गफुट संपर्क 8109337747, 9425377426

वगफीट प्लाट कमर्शियल मैन 80 फिट रोड बागमुगलिया, आशिमा मॉल के पास डायवर्सन बी.डी.ए, एन.ओ.सी. सहित मात्र 2000 रुपये वर्गफुट संपर्क 8109337747, 9425377426

बेचना है अरविन्द विहार बागमुगलिया में 2400 sqft पर बना शानदार बंगला शीघ्र बेचना है संपर्क करे- 9993176488, 9826039606

बेचना है कर्मशियल परमिशन स्पेस 2400 पर 8500 वर्गफुट बना, राजीव गाँधी नगर , अयोध्या बाइपास रोड भोपाल , पार्क फेसिंग हॉस्पिटल/ गेस्टहाउस हेतु उपयुक्त 6264244558,8269287852

For sale 968/1452/4305 Sqft Plots at Misrod Phase 1-2 3 BHK Flat 1417 Sqft For Sale at Coral Woods Hoshangabad road. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. – 7000122016, 9425666664

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

किराये से देना है फर्स्ट फ्लोर पर नवनिर्मित फ्लैट 2 बेडरूम, 1 हॉल, किचिन, 2 बालकनी कवर्ड केम्पस लाइफस्टाइल ब्लू, आकृति ग्रीन के सामने, सलैया संपर्क - 9926453501, किराया - 7500/-प्रति महा एवं प्रति महा 1260/- सोसाइटी मेंटेनेस

Luxury 3 BHK Singlex fully furnished in Trilanga colony Rent 23000/- Contact- 8962643902.

37 वैशाली नगर कोटरा भोपाल का प्रथम तल, तीन कमरे, हॉल किराये से देना है किराया 14000 शर्मा लॉ चेंबर पुरानी विधानसभा संपर्क – 7000035422

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact@8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 BHK फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

किराये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sq ft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

१st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

ITDC आवश्यकता

आवश्यकता है रियल स्टेट कंपनी कोलार में अनुभवी स्टाफ की सेल्स मैनेजर (15k) एग्जीक्यूटिव (10k) सेलरी + इंसेंटिव कार्यालय M.H. इन्फ्रा चूना भट्टी भोपाल मो. 9302555495, 9826533189

Job Openings in waaree Energies Limited, 8140106217, 8369888296 www.waaree.com

Required Sales staff (female) store manager (male) cashier (male) for imitation jewellery store at newmarket. Age minimum25 yrs. Send your resume WhatsApp at 9343529570.

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC आवश्यकता

Required Marketing Executives for Hyderabad based MFG organization. Willing to travel MP, UP., Chhattisgarh, Orissa, West Bengal & North India. Handsome Salary+ Attractive Incentives. Please mail CV to: Info@premierindustries.net

Required School Development Manager (Sales) on Fixed & Incentive basis. Location– Guna, Rajgharh, Sehore, Vidisha & Bhopal. 8850388123

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

VACANCIES

खबर की खबर

घातक होगी ओमिक्रोन संक्रमण मामले में लापरवाही

देश में ओमिक्रोन के लगातार बढ़ते मामलों से दहशत का माहौल बनने लगा है। बढ़ रहे मामलों को देखते हुए फरवरी माह में कोरोना की तीसरी लहर की भविष्यवाणी की जा रही है। ऐसे में पहले से ही रोजी-रोटी के संकट से जूझ रहे करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के साथ-साथ एक और लॉकडाउन का डर अभी से सताने लगा है। दरअसल, चंद दिनों में ही ओमिक्रोन के देशभर में 500 से भी ज्यादा मरीज सामने आ चुके हैं और यह आंकड़ा प्रतिदिन तेजी से बढ़ रहा है। इसी के चलते कुछ राज्यों द्वारा 'नाइट कर्फ्यू' लगाए जाने की शुरुआत हो चुकी है। हालांकि ओमिक्रोन को लेकर सरकार द्वारा स्पष्ट कर दिया गया है कि इसमें ऑक्सीजन की जरूरत कम ही है। फिर भी संक्रमण की रफ्तार से तीसरी लहर की चिंता स्वाभाविक ही है।

इन परिस्थितियों के मद्देनजर इससे निपटने के लिए समय रहते केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा प्रभावी उपाय किए जाने की सख्त आवश्यकता है।

24 नवम्बर 2021 को जहां ओमिक्रोन का पहला मामला दक्षिण अफ्रीका में सामने आया था, वहीं भारत सहित पूरी दुनिया में केवल एक महीने के अंदर ही यह 110 से भी ज्यादा देशों में फैल चुका है। इस एक महीने में दुनियाभर में इस वेरिएंट के लाखों मामले सामने आ चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना संक्रमण के 95 फीसदी मामलों की प्रमुख वजह ओमिक्रोन ही है। ब्रिटेन में जहां 29 नवम्बर तक ओमिक्रोन के 0.17 फीसदी मामले सामने आ रहे थे, वहीं 23 दिसम्बर तक इसके 38 फीसदी मामले दर्ज किए गए। यही हाल अमेरिका का भी है, जहां ओमिक्रोन की वजह से संक्रमण दर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। हाल यह रहा कि 22 दिसम्बर तक हर चौथा मामला ओमिक्रोन की वजह से आया।भारत में भी यह संक्रमण फैलने की रफ्तार काफी तेज है।

चिंताजनक स्थिति यह है कि ओमिक्रोन में अब तक कुल 53 म्यूटेशन हो चुके हैं और यह डेल्टा के मुकाबले बहुत तेजी से फैलता है। डेल्टा में कुल 18 और इसके स्पाइक प्रोटीन में दो म्यूटेशन हुए थे लेकिन ओमिक्रॉन के स्पाइक प्रोटीन में 32 म्यूटेशन हो चुके हैं। इसके रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन में भी 10 म्यूटेशन हो चुके हैं। वायरस स्पाइक प्रोटीन के जरिये ही मानव शरीर में प्रवेश करता है। लंदन के इंपीरियल कॉलेज के वायरोलॉजिस्ट डा. टोम पीकॉक के मुताबिक वायरस में जितने ज्यादा म्यूटेशन के जरिए वेरिएंट बनेगा, वह उतना ही अधिक खतरनाक होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ओमिक्रोन को कई दिनों पहले ही 'वेरिएंट ऑफ कंसर्न' घोषित करते हुए कह चुका है कि तेजी से फैलने वाला यह वेरिएंट लोगों के लिए काफी खतरनाक साबित हो सकता है। यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी के मुख्य चिकित्सा सलाहकार डा. सुसान हॉपकिंस का कहना है कि कोरोना का यह वेरिएंट दुनियाभर में प्रमुख डेल्टा स्ट्रेन सहित अन्य किसी भी वेरिएंट के मुकाबले बदतर होने की क्षमता रखता है। विशेषज्ञों के अनुसार डेल्टा वेरिएंट की आर वैल्यू 6-7 थी अर्थात् एक व्यक्ति वायरस को 6-7 व्यक्तियों में फैला सकता है। ओमिक्रोन की आर वैल्यू तो डेल्टा के मुकाबले करीब छह गुना ज्यादा है। इसका अर्थ है कि ओमिक्रोन से संक्रमित मरीज 35-45 लोगों में संक्रमण फैलाएगा।

भारत में ओमिक्रोन का पहला मामला 2 दिसम्बर को सामने आया था और उसके बाद से मूल वायरस के मुकाबले तीन गुना से भी ज्यादा तेज रफ्तार से फैल रहा है। दक्षिण अफ्रीका में ओमिक्रोन का सबसे पहले पता लगाने वाली 'साउथ अफ्रीकन मेडिकल एसोसिएशन' की अध्यक्ष डा. एंजेलिक कोएत्जी का भारत के संदर्भ में कहना है कि कोरोना वायरस के इस नए वेरिएंट के कारण यहां संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी दिखेगी। हालांकि, मौजूदा टीकों से इस रोग को फैलने से रोकने में निश्चित ही मदद मिलेगी।टीकाकरण नहीं कराने वाले लोगों को शत-प्रतिशत खतरा है। यही वजह है कि इस समय टीकाकरण पर बहुत ज्यादा जोर दिया जा रहा है और बहुत सारी सेवाओं में टीकाकरण प्रमाण पत्र को अनिवार्य किया जा रहा है। एंजेलिक कोएत्जी का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति का टीकाकरण हो चुका है या जो व्यक्ति पहले भी कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुका है, उससे संक्रमण कम लोगों को फैलेगा और टीकाकरण नहीं कराने वाले लोग वायरस को संभवतः शत-प्रतिशत फैलाएंगे।

डा. एंजेलिक कोएत्जी के मुताबिक ओमिक्रोन उच्च संक्रमण दर के साथ तेजी से फैल रहा है, लेकिन अस्पतालों में गंभीर मामले अपेक्षाकृत कम हैं। यह बच्चों को भी संक्रमित कर रहा है और वे भी औसतन 5 से 6 दिन में ठीक हो रहे हैं लेकिन ओमिक्रोन भविष्य में अपना स्वरूप बदलकर अधिक घातक बन सकता है। अधिकांश विशेषज्ञों की भांति उनका भी यही मानना है कि टीकाकरण के अलावा कोविड सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन ओमिक्रोन संक्रमण को नियंत्रित करने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। लापरवाहियों के चलते भारत कोरोना की दूसरी लहर के दौरान तबाही का जो मंजर देख चुका है, ऐसे में यदि चुनावी रैलियों में सभी राजनीतिक दलों द्वारा इसी प्रकार भारी भीड़ जुटाई जाती रही तो डर यही है कि कहीं फिर से वही हालात न पैदा हों, जैसे मार्च-अप्रैल में चुनाव प्रचार के लिए पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम, पुडुचेरी राज्य विधानसभा चुनावों की रैलियों में जुटाई गई भारी भीड़ के चलते हुए थे। सवाल यह भी उठता है, जब भी ऐसे सवाल उठते हैं तो संबंधित राज्यों में नाइट कर्फ्यू जैसी पाबंदियां लगाकर कोरोना के खिलाफ सख्त कदम जैसी बातें दोहराई जाने लगती हैं लेकिन यह कैसी हास्यास्पद स्थिति है कि अधिकांश जगहों पर जहां रात में सड़कें पहले ही सुनसान रहती हैं, वहां कर्फ्यू और दिन में शादी-ब्याह जैसे समारोहों में 100-200 लोग, तो रैलियों में लाखों की भीड़ इकट्ठा करने की अनुमति होती है। अदालतें इसके लिए बार-बार फटकार लगाते हुए सचेत भी करती रही हैं

न्यूज ब्रीफ

2021 के यूनिकॉर्न को कितने समय में मिला यह दर्जा?

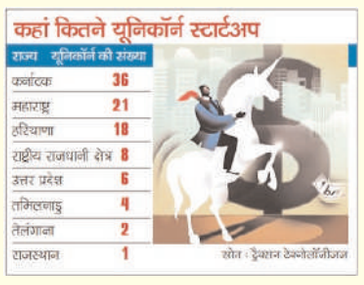

मुंबई । यूनिकॉर्न ने 2021 में एक अरब डॉलर का मूल्यांकन हासिल करने में धारणा के विपरीत पिछले वर्षों से थोड़ा अधिक समय लिया। स्टार्टअप के आंकड़े मुहैया कराने वाली ट्रैक्सन टेक्नोलॉजीज के आंकड़ों के मुताबिक नए रिकॉर्ड बनाने वाले वर्ष में कुल 40 से अधिक यूनिकॉर्न बनीं। यह आंकड़ा पिछले एक दशक में सबसे अधिक था। इससे पिछला ऊंचा स्तर वर्ष 2020 में 17 था। एक अरब डॉलर का मूल्यांकन हासिल करने यानी यूनिकॉर्न बनने में स्टार्टअप द्वारा लिए जाने वाले औसत समय की गणना वर्षों में की जाती है। हालांकि इसके कुछ अपवाद भी हैं। ट्रैक्सन के आंकड़ों का बिज़नेस स्टैंडर्ड ने विश्लेषण किया है, जिसके मुताबिक 2021 में स्टार्टअप को धन जुटाने की सीरीज ए से यूनिकॉर्न बनने तक औसतन 65 महीने लगे। आम तौर पर सीरीज ए का मतलब पहली बार धन जुटाने से है, जो एक ठीक से स्थापित स्टार्टअप लोगों या दोस्तों एवं परिवार से बाहर जुटाती है। यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल करने का समय बीते वर्षों से अलग नहीं है। वर्ष 2021 से पहले के पांच वर्षों में स्टार्टअप को यूनिकॉर्न बनने में औसतन 60 महीने का समय लगा था। यह समय महामारी से पहले वर्ष 2019 में 79 महीने था। इस साल के अपवादों में ब्लू कॉलर जॉब पोर्टल %अपना% जैसी कंपनियां भी शामिल हैं, जिसे यूनिकॉर्न बनने में महज 12 महीने लगे। एक अन्य अपवाद क्रिप्टोकरेंसी प्लेटफॉर्म कॉइनस्विच कुबेर रहा, जो केवल 8 महीनों में यूनिकॉर्न बन गया। ये दोनों स्टार्टअप कर्नाटक के बेंगलूरु में स्थित हैं। यह राज्य भारत में स्टार्टअप के सबसे बड़े अड्डे के रूप में उभरा है। जिन 96 स्टार्टअप के लिए ट्रैक्सन के आंकड़े उपलब्ध हैं, उनमें से 36 फीसदी हिस्सा बेंगलूरु की स्टार्टअप का है। इसके बाद महाराष्ट्र का स्थान है, जहां करीब 21 फीसदी यूनिकॉर्न मौजूद हैं। हरियाणा 18 फीसदी हिस्सेदारी के साथ तीसरे पायदान पर है। हरियाणा में सभी 18 यूनिकॉर्न गुरुग्राम में स्थित हैं। अन्य राज्यों में भी यूनिकॉर्न शहरों में ही केंद्रित हैं। कर्नाटक में जिन 36 स्टार्टअप ने यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल किया है, वे बेंगलूरु में स्थित हैं। महाराष्ट्र में थोड़ा विविधीकरण है। हालांकि ज्यादातर यूनिकॉर्न वित्तीय राजधानी मुंबई में स्थित हैं। उनमें से करीब 13 मुंबई में हैं। पुणे में अन्य 7 यूनिकॉर्न हैं। बहुत से उद्यम एक से अधिक जगहों पर मौजूद हैं। उनमें से एक विदेश में भी मौजूद है। बिज़नेस स्टैंडर्ड ने इस विश्लेषण में भारतीय जगहों पर ही गौर किया है। पेटीएम और नायिका जैसी बहुत सी स्टार्टअप स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध हो चुकी हैं। वित्तीय सेवा समूह गोल्डमैन सैक्स के सितंबर 2021 के वैश्विक रणनीति पत्र में कहा गया है कि इससे निवशकों के लिए अन्य अनुकूल रुझान की शुरुआत हो सकती है। विश्लेषकों की एक रिपोर्ट के मुताबिक इंटरनेट तंत्र, निजी पूंजी की उपलब्धता और अनुकूल नियामकीय माहौल की बदौलत यूनिकॉर्न में बढ़ोतरी हुई है। इस रिपोर्ट के लेखकों में सुनील कौल, टिमोथी मोइ, किंगर लाऊ, एल्विन सो, पीटर लाऊ और जॉन वॉन शामिल हैं।

चीनी कंपनियों पर आयकर विभाग का छापा

शाओमी, ओप्पो ने किया टैक्स कानून का उल्लंघन लग सकता है 1 हजार करोड़ रुपए का जुर्माना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आयकर विभाग ने 8 दिन पहले देशभर में चीनी मोबाइल कंपनियों शाओमी, वनप्लस और ओप्पो के ठिकानों और इनसे जुड़ी संस्थाओं पर छापा मारा। जिसके बाद अब खबर है कि इन कंपनियों पर कानून उल्लंघन करने पर 1 हजार करोड़ का जुर्माना लगाया जा सकता है। आयकर विभाग पूरे भारत में एक हफ्ते की जांच बाद आज यह जानकारी दी है। बता दें कि 21 दिसंबर को दिल्ली और 11 राज्यों- कर्नाटक, तमिलनाडु, असम, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र,

बिहार, राजस्थान में छापेमारी की गई थी।

5500 करोड़ रुपए की धांधली

इनकम टैक्स विभाग के मुताबिक सर्च एक्शन से पता चला है कि दो प्रमुख कंपनियों ने विदेशों में स्थित अपने समूह की ही कंपनियों को रॉयल्टी के रूप में 5500 करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम भेजी है। इन कंपनियों ने संबंधित एंटरप्राइजों के साथ ट्रांजैक्शन को बताकर आयकर अधिनियम, 1961 का उल्लंघन किया है। इसलिए अब इन पर 1 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का जुर्माना लग सकता है।

हफ्ते भर से चल रही थी रेड

चीनी मोबाइल कंपनियों के डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर्स, कॉर्पोरेट दफ्तर, गोदामों और मैन्युफैक्चरर के ठिकानों पर हफ्ते भर से रेड चल रही थी। वहीं इसी साल अगस्त में चीनी टेलीकॉम इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी ँज्ञश्च के ठिकानों पर भी रेड मारी गई थी। इस दौरान इनकम टैक्स विभाग को कर चोरी का पता भी चला था। इसके अलावा मोबाइल फोन बिजनेस, लोन एप्लिकेशन और ट्रांसपोर्ट बिजनेस से जुड़ी चीनी फर्म पर भी हाल में ही छापा मारा गया था। छापे की यह कार्रवाई केंद्रीय जांच एजेंसियों ने की थी।

कमाई में अंबानी पीछे

गौतम अडाणी की संपत्ति 3.15 लाख करोड़ रुपए बढ़ी, अंबानी ने कमाया 98 हजार करोड़ रुपए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अडाणी ग्रुप के मालिक गौतम अडाणी की संपत्ति साल 2021 में 3.15 लाख करोड़ रुपए बढ़ी है। इसी दौरान दानदाता, निवेशक और बिजनेसमैन अजीम प्रेमजी ने मुकेश अंबानी से ज्यादा कमाई की है।

मुकेश अंबानी की संपत्ति 6.81 लाख करोड़ रुपए

ब्लूमबर्ग की इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी की संपत्ति 6.81 लाख करोड़ रुपए रही। पूरे साल के दौरान उनकी कमाई 98,800 करोड़ रुपए बढ़ी, जबकि गौतम अडाणी ने 3.15 लाख करोड़ रुपए कमाया। उनकी कुल संपत्ति 5.72 लाख करोड़ रुपए रही। दुनिया में मुकेश अंबानी 12 वें रैंक पर और अडाणी 14 वें रैंक के सबसे अमीर बिजनेसमैन हैं।

टॉप 10 में कोई भारतीय नहीं

दुनिया के टॉप 10 अरबपति बिजनेसमैन की लिस्ट में कोई भी भारतीय नहीं है। अडाणी की कुल 6 लिस्टेड कंपनियां हैं। इन्होंने साल 2021 में सॉलिड फायदा निवेशकों को दिया है। अडाणी एंटरप्राइज के शेयर ने 2.45 गुना का रिटर्न दिया है। अडाणी

ट्रांसमिशन ने 288 फीसदी और अडाणी टोटल गैस ने 351 फीसदी का लाभ दिया है।

रिलायंस ने कम रिटर्न दिया

इस साल में मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर ने 18.6 फीसदी का रिटर्न दिया जबकि क्चस्श्व सेंसेक्स ने 21 फीसदी का फायदा दिया। यानी सेंसेक्स से भी कम फायदा रिलायंस ने दिया। पर अंबानी अभी भी एशिया के सबसे अमीर बिजनेसमैन हैं जबकि अडाणी तीसरे नंबर पर हैं। हालांकि एक समय में दोनों बराबरी के करीब थे। पर फिर से दोनों के बीच 90 हजार करोड़ रुपए का अंतर हो गया है।

अजीम प्रेमजी की संपत्ति 3.13 लाख करोड़ रही

अजीम प्रेमजी की संपत्ति 3.13 लाख करोड़ रुपए रही। इन्होंने साल भर में 1.20 लाख करोड़ रुपए की कमाई की। डीमार्ट के प्रमोटर और निवेशक आर.के. दमानी ने इस साल 9.51 अरब डॉलर कमाया और इनकी कुल संपत्ति 1.85 लाख करोड़ रुपए रही। अवेन्यू सुपर मार्ट का शेयर 6 हजार रुपए के करीब पहुंच गया था। पर अक्टूबर महीने में इस शेयर में भारी गिरावट आई और यह 4 हजार रुपए के नीचे चला गया था।

विप्रो ने दिया 84 फीसदी का फायदा

अजीम प्रेमजी की कंपनी विप्रो के शेयर ने इस साल 84 फीसदी का फायदा निवेशकों को दिया है। दमानी की अवेन्यू सुपरमार्ट ने 66 फीसदी इसी दौरान रिटर्न दिया। ।ष्टरुटेक के शिव नाडर की संपत्ति 2.47 लाख करोड़ रुपए रही। इसमें 63,000 करोड़ रुपए की बढ़त दिखी। यह शेयर भी 39 फीसदी इस साल बढ़ा। अन्य अरबपतियों मे सावित्री जिंदल और कुमार मंगलम बिड़ला ने 38-38 हजार करोड़ रुपए कमाया। सन फार्मा के दिलीप संघवी की संपत्ति 33 हजार करोड़ रुपए रही। डीएलएफ के केपी सिंह की 27.4 हजार करोड़, नायका की फाल्गुनी नायर की संपत्ति 22.8 हजार करोड़ रुपए बढ़ी। नायका की लिस्टिंग इसी साल हुई थी। इसने इश्यू प्राइस की तुलना में करीबन दोगुना का फायदा

देश का गेहूं निर्यात अप्रैल-अक्टूबर में बढ़कर 87.2 करोड़ डॉलर पर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बेहतर मांग होने के कारण चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-अक्टूबर की अवधि के दौरान देश का गेहूं निर्यात 87.2 करोड़ डॉलर का हो गया। निर्यात का प्रमुख गंतव्य बांग्लादेश रहा। वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मात्रा के लिहाज से, उक्त अवधि के दौरान गेहूं का निर्यात 527 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 32 लाख टन हो गया, जो एक साल पहले की अवधि में 5.1 लाख टन था। मंत्रालय ने कहा, ''चालू वित्तवर्ष (अप्रैल-अक्टूबर) में भारत का गेहूं निर्यात 546 प्रतिशत बढ़कर 87.2 करोड़ डॉलर का हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 13.5 करोड़ डॉलर का था। चालू वित्त वर्ष में, गेहूं का निर्यात मात्रा के लिहाज से अब तक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। भारत का गेहूं निर्यात मुख्य रूप से पड़ोसी देशों को होता है। वित्त वर्ष 2020-21 में बांग्लादेश की मात्रा और मूल्य दोनों के लिहाज से 54 प्रतिशत से अधिक की सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। अन्य प्रमुख गेहूं निर्यात गंतव्यों में नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका, यमन, अफगानिस्तान, कतर, इंडोनेशिया, ओमान और मलेशिया शामिल हैं। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए इन 10 देशों को किए गए निर्यात की मात्रा और मूल्य दोनों के संदर्भ में लगभग 99 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। मंत्रालय ने कहा, ''हालांकि भारत वैश्विक व्यापार में शीर्ष दस गेहूं निर्यातकों में शामिल नहीं है, लेकिन निर्यात में इसकी वृद्धि दर इन सभी देशों से आगे हो गया है। भारत, दुनिया भर में नए बाजारों तक पहुंचने के लिए तेजी से कदम उठा रहा है। विश्व के गेहूं निर्यात में भारत का योगदान एक प्रतिशत से भी कम है। हालांकि, वर्ष 2016 में गेहूं निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 0.14 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2020 में 0.54 प्रतिशत हो गई है।

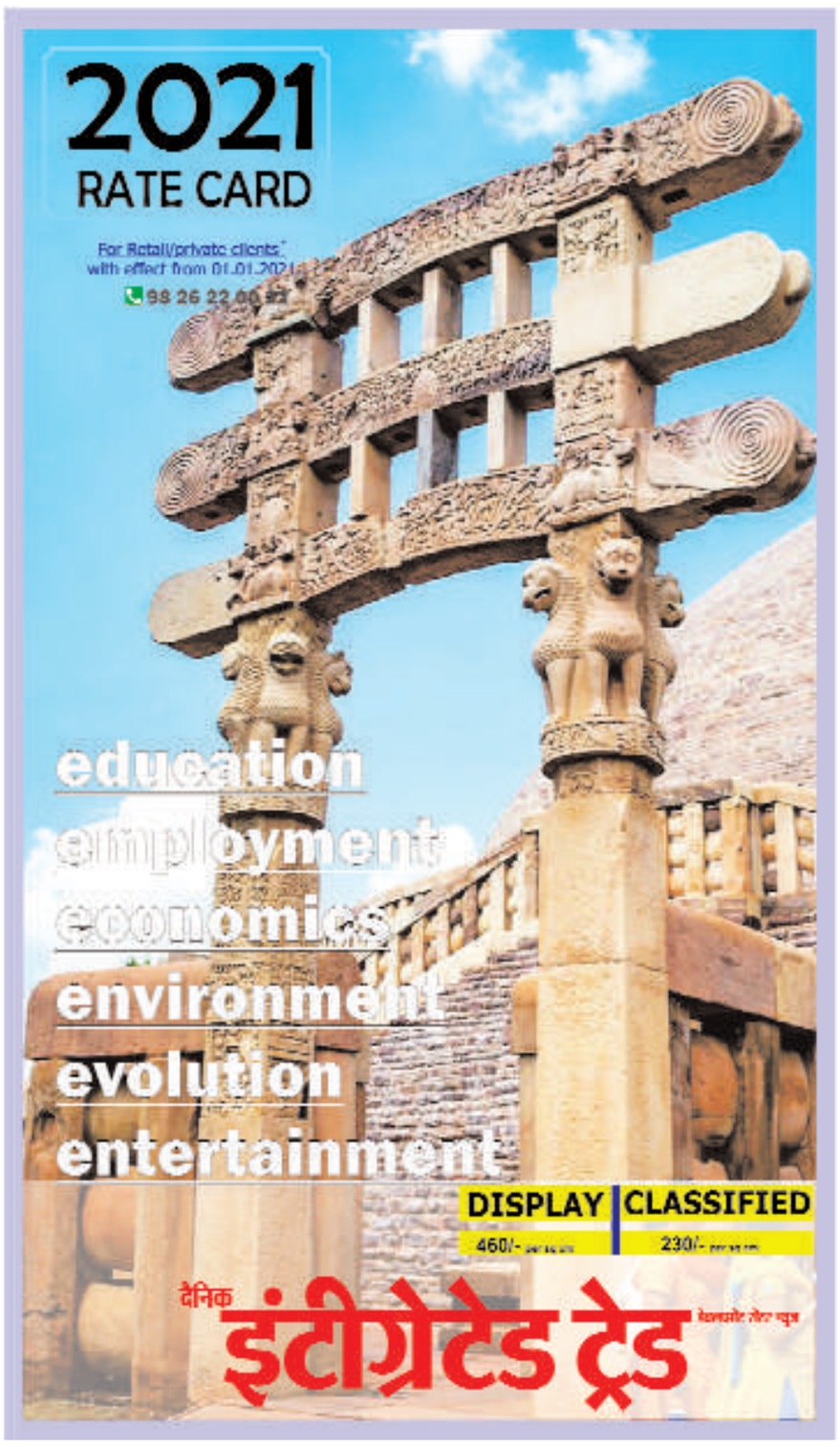

2021 में टेक कंपनियों के बिजनेसमैन का दबदबा

एलन मस्क की सबसे ज्यादा नेट वर्थ 9 लाख करोड़ बढ़ी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दुनिया के 10 सबसे अमीर लोगों ने 2021 में अपनी नेटवर्थ में 402 बिलियन डॉलर (करीब 29.89 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा) जोड़े। इसमें टेस्ला के CEO एलन मस्क सबसे आगे रहे। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार दुनिया के सभी 10 सबसे अमीर व्यक्तियों की नेटवर्थ 2022 तक 100 बिलियन डॉलर (करीब 7.43 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा की होगी। इनमें से बिल गेट्स और जेफ बेजोस जैसे बिजनेसमैन इस आंकड़े को पार कर चुके हैं। गेट्स पहली बार 1999 में इस मुकाम पर पहुंचे, जबकि बेजोस ने 2017 में ऐसा किया। आज हम आपको 2021 में दुनिया के सबसे ज्यादा नेट वर्थ बनाने वाले बिजनेसमैन के बारे में बता रहे हैं।

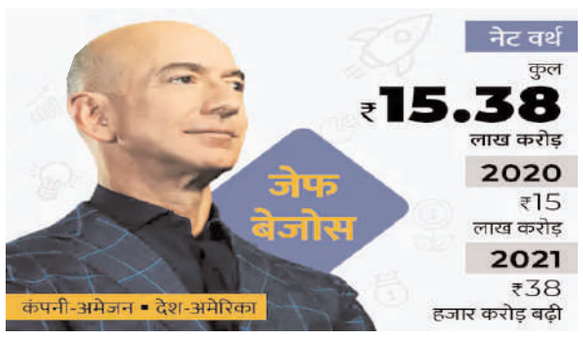

महादेव देसाई एक व्यक्तित्व एक जीवन और गांधी जी

महादेव देसाई गांधी जी के प्रिय सचिव थे। 1 जनवरी 1892 जेल में जब गांधी जी के साथ थे, तभी असमय उनका देहावसान हो गया। उनकी यह डायरी अति महत्वपूर्ण है जितनी कि स्वयं गांधी जी की होती। रामचंद्र जी के लिए जैसे लक्ष्मण थे, वैसे ही गांधीजी के लिए महादेव थे, मानो' एक प्राण दो देह। महादेव देसाई उर्फ महादेव भाई जैसा कि वह कहे जाते थे, अपने जीवन भर की ख्वाहिश पूरी नहीं कर पाए कि महात्मा गांधी की जीवनी लिख सकें क्योंकि 15 अगस्त 1942 उनकी असमय मौत हो गई। जब उनकी मृत्यु हुई उस समय उनकी उम्र 50 साल थी और वे पुणे के आगा खान पैलेस में नजरबंद थे। उनके बेटे नारायण देसाई ने महात्मा गांधी की जीवनी चार खंडों में लिखी- माय लाइफ इज माय मैसेज। यह किताब उन डायरियों के आधार पर लिखी गई जिनमें महादेव भाई ने अपने 25 साल लंबे साथ में बहुत बारीकी से गांधीजी के पत्रों, भाषणों, बातचीत, विचारों को क्रमबद्ध रूप में नोट किया था। गांधीजी के भाषणों की प्रमाणित प्रतियां जोकि वह हिंदुस्तानी और गुजराती में बिना लिखे दिया करते थे। 100 भागों में प्रकाशित 'द कलेक्टिव वर्क्स ऑफ महात्मा गांधी' भी महादेव की डायरियों के आधार पर तैयार हुआ।

नवजीवन पब्लिशिंग हाउस से महादेव की डायरियों का अंग्रेजी में प्रकाशन डे टुडे विद गांधी नाम से हुआ। इन में गांधी जी के भारत की आजादी के लिए चलाए गए अहिंसक आंदोलन का सजीव वर्णन दिया गया। इस विवरण को एक युद्ध रिपोर्टर का वर्णन समझना चाहिए जो पूरी लड़ाई में commander-in-chief के कंधे से कंधा मिलाकर राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल रहा। विशेष रूप से उतार-चढ़ाव भरी वे घटनाएं जिनकी परिणीति आखिर में भारत छोड़ो आंदोलन के रूप में हुई। 11 नवंबर 1917 से महादेव भाई ने डायरी रखना शुरू किया था। इन्हें गांधीजी के सचिव के रूप में काम करते हुए एक हफ्ता हुआ था। यह लेखन 14 अगस्त 1942 तक चला, उनकी मौत से 1 दिन पहले तक। इन्हें महादेव भाई की डायरी कहना सही नहीं है क्योंकि यह महात्मा गांधी के बारे में लिखी गई क्योंकि सिर्फ उन दिनों डायरी नहीं लिखी गई जब या तो गांधीजी यह स्वयं महादेव भाई जेल में थे। उनकी 23 डायरियों के 9500 से ज्यादा पेज छप चुके हैं। 1936- 1942 के कालखंड कि डायरिया अभी भी संपादित और प्रकाशित होनी बाकी है। अप्रकाशित डोरियों से पता चलता है कि महादेव भाई ने कम से कम 25 पाठ शॉर्टहैंड और टेक्स्ट बुक और फारसी व्याकरण के मूल कोर्स से तैयार किए थे। गांधी जी के साथ उनकी छाया के रूप में बराबर साथ रहने के कारण महादेव भाई को सभी राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम को नजदीक से देखने का अवसर मिला। इस तरह से उनकी यह डायरियां गांधीजी के दिमाग में चल रही सोच को दृष्टि देने का प्रयास है। 'अपनी क्रमबद्ध डायरी में जितनी सामग्री का संकलन महादेव भाई ने किया, उन पर धैर्य से काम करने में वर्षों का समय लगा। उन्होंने उम्मीद की थी कि वह खुद इस को पूरा करते। गांधी जी ने उनकी मृत्यु के तुरंत बाद अपनी डॉक्टर और सहयोगी सुशीला नायर से कहा था-' मेरे अलावा कोई उन्हें बाहर नहीं ला सकता, यहां तक कि मुझे भी नहीं पता कि इसको किस तरह इस्तेमाल करने के लिए उन्होंने रखा है।' शुरू-शुरू में वह सिर्फ महत्वपूर्ण पत्रों की नकल किया करते थे। इसके बाद उन्होंने लिखने लायक घटनाओं को और बापू द्वारा दिए गए भाषणों में उनके विचारों को कलमबद्ध किया। स्वाभाविक रूप से उनकी बाद की डेयरियों में ज्यादा विस्तार से नोट्स लिए गए। महादेव भाई के करीबी दोस्त और

11 नवंबर 1917 से महादेव भाई ने डायरी रखना शुरू किया था। इन्हें गांधीजी के सचिव के रूप में काम करते हुए एक हफ्ता हुआ था। यह लेखन 14 अगस्त 1942 तक चला, उनकी मौत से 1 दिन पहले तक। इन्हें महादेव भाई की डायरी कहना सही नहीं है क्योंकि यह महात्मा गांधी के बारे में लिखी गई क्योंकि सिर्फ उन दिनों डायरी नहीं लिखी गई जब या तो गांधीजी यह स्वयं महादेव भाई जेल में थे।

संपादकीय

पूंजी के प्रभाव में महामारी

विश्व में सही विज्ञान या योग्य वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों व डाक्टरों की कमी है। विज्ञान ने वास्तव में प्रगति की है, बहुत योग्य वैज्ञानिक व डाक्टर भी उपलब्ध हैं, पर ऐसी परिस्थितियों का अभाव है जिनमें हम सबसे बेहतर प्रतिभाओं, विचारों व वैज्ञानिकों की कसौटी पर खरा उतरने वाले उपायों का समुचित लाभ उठा सकें। यह एक दुखद स्थिति है जिसके कारण विश्व स्तर पर ऐसे कष्ट झेलने पड़े हैं जिनसे बचा जा सकता है। विश्व स्तर पर हाल के वर्षों में जितनी चिंता व अस्थिरता कोविड-19 के संदर्भ में देखी गई है, वह हाल के अनेक दशकों के इतिहास में अभूतपूर्व है। इस संदर्भ में यह सवाल विश्व के लगभग सभी क्षेत्रों में उठ रहे हैं कि कोविड-19 का सामना बेहतर ढंग से कैसे किया जाए व इससे होने वाली क्षति को कैसे न्यूनतम किया जाए। इसके लिए जरूरी है कि विश्व स्तर पर वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों की सबसे उत्कृष्ट राय सामने आ सके व उसके आधार पर तय नीति, विश्वास व सहयोग के माहौल को पूरी दुनिया में कार्यान्वित किया जा सके। यह सब लोकतांत्रिक माहौल में, लोकतांत्रिक भावना से होना चाहिए। दूसरे शब्दों में, सब तरह के विचारों को सुनना चाहिए व उन्हें वह स्थान मिलना चाहिए जिसके वे हकदार हैं। ऐसा न हो कि कुछ विचारों को जबरदस्ती बहुत तेजी से फैलाने का प्रयास किया जाए व कुछ विचारों को दबा दिया जाए। कुछ विचारों के प्रसार के लिए बड़ी ताकत लगा दी जाए, व कुछ विचारों को टिकने ही न दिया जाए। किसी तरह के दबाव व संकीर्ण स्वार्थ हावी नहीं होने चाहिए व सच्चाई तथा पारदर्शिता के माहौल में ही सब फैसले, फैसलों से जुड़ी पूर्व की सब प्रक्रियाएं होनी चाहिए।

यदि किसी विचार को दबाया जाएगा, या उससे जुड़े वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों की तमाम पूर्व उपलब्धियों व योग्यताओं की उपेक्षा करते हुए उनके विरुद्ध कुप्रचार किया जाएगा, तो अनेक बेहतर व आवश्यक विचार सामने नहीं आ सकेंगे व विश्व स्तर पर उपलब्ध सबसे बेहतर ज्ञान का सदुपयोग नहीं हो सकेगा। दूसरी ओर, यदि सभी विचारों को खुले माहौल में सुनकर पारदर्शी प्रक्रियाओं से सही निर्णय लिए जाते हैं जो सबसे अधिक जनहित में हैं तो न केवल सबसे बेहतर नीति बन सकेगी, अपितु लोगों में इसके प्रति गहरा विश्वास भी उत्पन्न होगा। उन्हें लगेगा हम सही राह पर जा रहे हैं व उनकी चिंताएं भी कम होंगी, तनाव कम होंगे। अनेक समस्याएं तो अनिश्चय व तनाव के माहौल के कारण ही उत्पन्न हो रही हैं। क बड़ी जरूरत यह है कि इस तरह की आपदा का दुरुपयोग कोई भी तत्व अपना संकीर्ण स्वार्थ साधने के लिए न करे। कुछ देशों में यह देखा गया है कि कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियों, चंद अरबपतियों व अन्य शक्तिशाली स्वार्थों ने इस आपदा की स्थिति के इस तरह दुरुपयोग किए, जिससे इन देशों की पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था पर उनका नियंत्रण बहुत बढ़ गया। नतीजे में ये देश स्वार्थी कंपनियों पर निर्भर हो गए व उनका स्वास्थ्य बजट केवल कुछ विशालकाय कंपनियों के उत्पादों पर ही खर्च होने लगा।

इस सोच के कारण जब कोविड के अपेक्षाकृत कम खर्च के इलाज की दवाओं व तौर-तरीकों के बारे में कुछ वैज्ञानिक व डाक्टर कुछ महत्वपूर्ण जानकारी देना चाहते थे, तो उनकी आवाज को दबा दिया जाता था और ऐसे विशेषज्ञों को आगे बढ़ाया जाता था जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों या अरबपतियों के हितों वाली बात करेंगे। यह उचित नहीं है। ऐसी प्रवृत्तियां यदि विश्व में न होती तो बहुत त्रासद स्थितियों से बचा जा सकता था। ऐसा नहीं है कि विश्व में सही विज्ञान या योग्य वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों व डाक्टरों की कमी है। विज्ञान ने वास्तव में प्रगति की है, बहुत योग्य वैज्ञानिक व डाक्टर भी उपलब्ध हैं, पर ऐसी परिस्थितियों का अभाव है जिनमें हम सबसे बेहतर प्रतिभाओं, विचारों व वैज्ञानिकों की कसौटी पर खरा उतरने वाले उपायों का समुचित लाभ उठा सकें। यह एक दुखद स्थिति है जिसके कारण विश्व स्तर पर ऐसे कष्ट झेलने पड़े हैं जिनसे बचा जा सकता है। यह स्थिति तभी पनप सकती है जब विश्व की लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई बड़ी कमी हो। लोकतंत्र की प्रगति मानव प्रगति का एक बहुत महत्त्वपूर्ण पक्ष है, पर जो बड़े स्वार्थ हैं, जिन पर अरबों डालर का मुनाफा हावी है, जो दूसरों पर आधिपत्य करना चाहते हैं, वे लोकतंत्र को एक बाधा मानते हैं। वे अपनी अपार धन शक्ति के बल पर लोकतंत्र में ऐसी विसंगतियां उत्पन्न करते हैं जिससे अपनी मनमानी कर सकें, उन पर लोकतांत्रिक तत्त्वों व ताकतों की रोक न लग सके। राजनीति में भी वे ऐसे अधिनायकवादी तत्त्वों को खोजते हैं व आगे बढ़ाते हैं जो उनसे सांठ-गांठ कर सकें व एक साथ अपने हितों को बढ़ा सकें। इस स्थिति में पारदर्शिता, लोकतांत्रिक खुली बहस व सच्चाई की बहुत क्षति होती है। हमें कोविड का सामना यदि सबसे बेहतर ढंग से करना है तो इन सब अवरोधों को भी ध्यान में रखना होगा व ऐसी स्थितियों का निर्माण करना होगा जिससे सभी निर्णय पारदर्शिता व खुली लोकतांत्रिक व्यवस्था में सच्चाई के आधार पर हो सकें और जो सबसे बेहतर परामर्श है उसे ही स्वीकार किया जाए। वैज्ञानिक तथ्यों से कोई अनुचित छेड़छाड़ न की जाए और जो सबसे बेहतर व विश्वसनीय जानकारी है उसके आधार पर ही कार्य किया जाए।

लड़कियों का आत्मसम्मान बढ़ाएं, शादी की उम्र नहीं

इस परिवर्तन में यह नहीं देखा गया है कि राज्य ने अचानक स्वयं के लिए परिवारों में हस्तक्षेप करने, व्यक्तिगत पसंद और विकास के मामले में टकराव लाने के लिए अधिक शक्तियां प्राप्त कर ली हैं- खास तौर पर उस समय जब संघर्ष किसी मुद्दे पर बातचीत करने या परिवर्तन को प्रभावित करने का सबसे पसंदीदा तरीका प्रतीत होता है। यह सबसे बड़ा झटका है तथा मानव विकास के विचार के लिए सबसे बड़ा खतरा है। जब बड़ी संख्या में लोगों को कार्रवाई पर भरोसा नहीं है और परिवर्तन का विचार चल नहीं पाता है, जिनमें वैचारिक अतिक्रमण होने की संभावना होती है तो उस समय कार्रवाई को स्थगित करना सबसे अच्छा होता है। भारत में स्वास्थ्य और विकास के मामले में सभी को शामिल करने वाली अच्छाई लाने के लिए लड़कियों के लिए शादी की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 करना कोई आसान कदम नहीं है। स्वास्थ्य संबंधी कई अन्य मुद्दों पर अधिक ध्यान न दिए जाने के कारण सरकार के इस दावे में दम नजर नहीं आता कि यह बालिकाओं के हित में है। उदाहरण के लिए, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5 2019-20) का नवीनतम सर्वे हमें बताता है कि बच्चों के साथ-साथ वयस्कों, पुरुषों व महिलाओं, जिनमें गर्भवती स्त्रियां भी शामिल हैं, के बीच एनीमिया (खून की कमी) के बीमारों की संख्या में एनएफएचएस-4 (2015-16) में दर्ज संख्या में वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है कि एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट में 15-49 वर्ष आयु वर्ग की 57 फीसदी भारतीय महिलाओं में खून की कमी की शिकायत मिली है जबकि एनएफएचएस-4 रिपोर्ट में 53.1प्रति सैकड़ा से अधिक में खून की कमी की सूचना मिली थी। यह महिला और बाल विकास के क्षेत्र में किए जाने वाले कार्यों की जरूरत की ओर इशारा करता है।

इसके साथ कई सवाल खड़े करता है कि पिछले कुछ वर्षों में खून की कमी की बीमारी क्यों और कैसे बढ़ी हैं। कई अन्य संकेतकों में सुधार हुआ है लेकिन सब कुछ ठीक नहीं है। 18 वर्ष की आयु से पहले शादी करने वाली 20-24 आयु वर्ग की महिलाओं की संख्या 26.8 प्रतिशत (एनएफएचएस-4) से घटकर 23.3 प्रश (एनएफएचएस-5) रह गई है। इससे यह भी पता चलता है कि 18 वर्ष की उम्र से पहले लड़कियों की शादी न करने के बारे में लोगों को समझाने के लिए अभी भी कितना काम करने की जरूरत है। इन चुनौतियों के बीच शादी की उम्र को बढ़ाकर 21 वर्ष करने के प्रस्ताव का मतलब है कि सरकार नियमन और नियंत्रण का विस्तार करने के लिए जो कदम उठा रही है, वे विवादास्पद हैं। यदि विकास के लिए इस तरह के कानून की आवश्यकता है तो सरकारों द्वारा वर्षों से पारित किए गए ढेरों कानूनों को देखते हुए भारत अब तक एक विकसित देश होता। इनमें से प्रत्येक कानून किसी न किसी तरह से राज्य की भूमिका का विस्तार करता है तथा भारत जैसे गरीब देश में राज्य की बलपूर्वक शक्ति का नकारात्मक पक्ष है जो सबसे कमजोर वर्ग के नागरिकों के खिलाफ है। इससे भी बदतर बात यह है कि इस क्षेत्र में पहले से ही सामाजिक दबाव है जो युवा लड़कियों व लड़कों की स्वतंत्रता को नियंत्रित करता है व अपने दम पर अपनी इच्छानुसार जीवन जीने का रास्ता खोजने से रोकता है तथा किसी न किसी बहाने नैतिक नियंत्रण की व्यवस्था एवं राज्य के हस्तक्षेप के पहलुओं को सामने ला रहा है। मुंबई जैसे शहर में ऐसे हालात हैं कि जहां लोगों ने आपत्ति जताई है, पुलिस ने हस्तक्षेप किया, लड़के-लड़कियों को एक साथ समय बिताने से रोकने के लिए तरह-तरह के अभियान चलाए गए। एक शांत, हरी-भरी जगह पर जाकर समय गुजारने की चाह रखने की इच्छा रखने वाले जोड़ों पर लोगों की नैतिक सजगता का पहरा लग गया है। ऐसा दक्षिण मुंबई में मरीन ड्राइव जैसे लोकप्रिय सार्वजनिक स्थानों में हुआ है जहां नैतिक पहरेदारों को रास्ते से हटाने के लिए पुलिस को बुलाया गया है। यह राजीव गांधी सागर लिंक के एप्रोच रोड पर हुआ है जो मुंबईकरों को समुद्र के ऊपर ड्राइव करने और अपने व्यवसाय के स्थल पर शीघ्र पहुंचने के लिए बनाया गया है। युवा जोड़ों का एक-दूसरे का हाथ पकड़ कर घूमना कॉलेजों को पसंद नहीं है, युवा जोड़ों के लिए पार्क शांतचित्त से बैठने की जगह न होकर अक्सर मुसीबत की वजह बन जाता है। बड़े समूहों में भी लड़कों और लड़कियों द्वारा कुछ समय बिताने के मसले पर अभी भी कई माता-पिता असहज महसूस करते हैं।

यदि मुंबई जैसे महानगरीय मेगापोलिस में यह स्थिति है तो कल्पना कीजिए कि भारत के अंदरूनी हिस्सों में क्या हालत होगी जहां पूर्वाग्रह तथा नैतिक मानदंड और कड़े हो सकते हैं। सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें और वीडियो हैं जिनमें युवा जोड़ों को पीटा गया, लड़की को घसीटकर घर पर सबक सिखाया गया और लड़के को चेतावनी दी गई कि वह वहां फिर कभी दिखना नहीं चाहिए। इस माहौल के चलते जब भी और जहां भी लड़कियों को सक्रिय होने का मौका मिल सकता है तो उन्हें इस नए प्रस्तावित कानून के माध्यम से दूर ले जाया जाता है क्योंकि प्रस्तावित अधिनियम के कारण उनके द्वारा उठाया गया कदम अवैध हो जाता है और उन्हें पैतृक घर में रहने पर विवश होना पड़ेगा। उस लड़की के बारे में सोचिए जिसे अपने माता-पिता और भाइयों की देखभाल में रहने के लिए मजबूर किया जा रहा है, उनके आदेश मानने पड़ रहे हैं और जो एक विकल्प पाने में असमर्थ है। कई भारतीय परिवारों में अन्य विभिन्न कारणों से एक बेटी को पति और उसके परिवार की संपत्ति के रूप में देखा जाता है जिसे विदा किए जाने की प्रतीक्षा की जाती है- यह अवधारणा %पराया धन% शब्दों में व्यक्त की गई है।

स्वास्थ्य संबंधी कई अन्य मुद्दों पर अधिक ध्यान न दिए जाने के कारण सरकार के इस दावे में दम नजर नहीं आता कि यह बालिकाओं के हित में है। उदाहरण के लिए, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5 2019-20) का नवीनतम सर्वे हमें बताता है कि बच्चों के साथ-साथ वयस्कों, पुरुषों व महिलाओं, जिनमें गर्भवती स्त्रियां भी शामिल हैं

धर्म संसद के बदलते मायने

देखते-देखते धर्म संसद के मायने बदल दिये गये। अशोक सिंघल के रहते जितने धर्म संसद आहूत किये गये, प्रस्ताव पढ़ लीजिए, कभी गांधी पर हमला नहीं हुआ। राष्ट्रपिता को छोड़िये, पीवी नरसिम्हा राव द्वारा एक करोड़ कथित घूस लिये जाने का मुद्दा किसी ने धर्म संसद में उठाना चाहा था, उसे भी अशोक सिंघल ने सख्ती से रोक दिया था। डॉ.कर्ण सिंह नब्बे वर्ष के हो चुके हैं। सेक्युलर कांग्रेस, और उसी प्लेटफार्म पर हिंदू धर्म के चोबदार डॉ.कर्ण सिंह। %मुग्घम बात पहेली जैसी, बस वहीं बूझे, जिसको बुझाये।% कश्मीर में इन्हें सदरे रियासत बनाने, और निर्वाचित सरकार के नेता शेख अब्दुल्ला को 11 साल जेल में डाले जाने की कलि कथा पर नहीं आएंगे। वैसी कथा, जिसमें राजनीतिक नैतिकता का निर्माण नहीं, ध्वंस होता हो। सेक्युलर कांग्रेस के प्रमुख नेता डॉ. कर्ण सिंह को विश्व हिंदू परिषद से बगलगीर होने की छूट किसने, और क्यों दी थी? यह प्रश्न आज इसलिए कि तब इंदिरा गांधी की मर्ज़ी के बग़ैर पार्टी में पत्ता नहीं हिलता था। 19 फरवरी 1981 को तमिलनाडु के मीनाक्षीपुरम में पलार समाज के 180 परिवारजन, जो अनुसूचित जाति की श्रेणी में आते थे, ने अचानक इस्लाम स्वीकार कर लिया था। जिसने ख़बर सुनी, हैरान हुआ। इस घटना से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सबसे अधिक नाखुश थीं। गृह मंत्री जैल सिंह ने जांच का आदेश दिया। अखबारबाज़ी इतनी हुई कि अटल बिहारी वाजपेयी तक को मीनाक्षीपुरम जाना पड़ा। मीनाक्षीपुरम में इसके प्रयास तेज़ हो गये कि उन्हें वापिस हिंदू बनाया जाए। इस मुहिम की कमान कर्ण सिंह को दी गई थी। तब हुआ ये कि डॉ. कर्ण सिंह विश्व हिंदू परिषद के नेताओं से बगलग़ीर होने लगे। आग मीनाक्षीपुरम में लगी थी, मगर रोटी सेंकने का उपक्रम केरल के कोचिन से आरंभ हुआ। डॉ. कर्ण सिंह ने कोचिन में 30 अप्रैल 1982 को %विशाल हिंदू सम्मेलन% आहूत किया, जिसमें पांच लाख लोग आये थे। इस सम्मेलन को कवर करने वाले पत्रकार श्रीधर पिल्लई लिखते हैं,% कोचिन की दीवारें ग्रैफ्टी से रंग दी गई थीं। जिधर देखो, ओम के निशान और भगवा झंडे। इसमें विहिप और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोग भी मदद दे रहे थे। कोचिन के त्रिवेणी संगम पर जुटे भक्तों को %विराट हिंदू समाज% के अध्यक्ष डॉ. कर्ण सिंह और संघ परिवार के प्रमुख सदस्य स्वामी चिन्मयानंद संबोधित कर रहे थे। चिन्मयानंद विहिप के संस्थापकों में से भी थे। कोचिन में विशाल हिंदू सम्मेलन के हवाले से कांग्रेस कैसे कह सकती है कि वह सेक्युलर विचारधारा वाली पार्टी है? यह संघ और विहिप की पहली प्रयोगशाला थी, जिसमें केवल दिखाने के वास्ते डॉ. कर्ण सिंह का इस्तेमाल किया गया था। इसके प्रकारांतर 12-13 मार्च 1983 को अमृतसर में विश्व हिंदू परिषद ने %विशाल हिंदू धर्म सम्मेलन% कराया, जिसमें भाषण देते हुए डॉ. कर्ण सिंह ने सरकार को चेताया कि पंजाब में अतिवाद के शिकार हिंदू हो रहे हैं, जिसके परिणाम भयावह हो सकते हैं। उसके अगले साल 7 जुलाई 1984 को न्यूयार्क में दसवां विश्व हिंदू सम्मेलन विहिप ने आयोजित किया था, उस मंच पर भी डॉ. कर्ण सिंह ने बीज वक्तव्य दिया। डॉ. कर्ण सिंह का विहिप के मंच पर जाना क्या इंदिरा गांधी की सहमति से हो रहा था? इसके साढ़े तीन माह बाद ही 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या हो गई थी। कांग्रेस कन्फ्यूज़्ड थी कि यदि हिंदू एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं, तो मुस्लिम जनाधार खिसकता है। 21 जून 1991 से 16 मई 1996 के कालखंड को ध्यान से देखिये तो पीवी नरसिम्हा राव ने कांग्रेस को वहां पहुंचाने की चेष्टा की थी, जहां से एक विराट वोट बैंक को पकड़ने और हिंदुत्व को उत्कर्ष पर पहुंचाने की उत्कट इच्छा प्रकट हो रही थी। कर्ण सिंह से तीन महीने छोटे, के.नटवर सिंह अभी जीवित हैं। 2004 में विदेश मंत्री बनने के बाद, उसी साल 14 जुलाई को बर्लिन आये। वहीं एक इंटरव्यू में नटवर सिंह ने कहा था कि नेहरू के बरक्स पीवी नरसिम्हा राव संस्कृत के ज्ञाता थे, उनकी जड़ें धार्मिक-आध्यात्मिक भारत में गहरी पसरी थीं। उन्हें, %भारत एक खोज% की आवश्यकता नहीं थी। देश के 11वें राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम भी मानते थे कि पीवी नरसिम्हा राव राष्ट्रवादी थे, और राष्ट्र के आगे पॉलिटिकल सिस्टम को परिहार्य मानते थे। एपीजे अब्दुल कलाम के शब्दों के निहितार्थ बाबरी विध्वंस के नतीज़ों के बाद समझ में आते हैं। बीएचयू से बी.टेक कर निकले अशोक सिंघल 1942 में बाला साहेब देवरस के संपर्क में आये, 1949 में वो प्रचारक बनाये गये। 1981 में बाला साहेब देवरस ने अशोक सिंघल को विश्व हिंदू परिषद की ज़िम्मेदारी संभालने को कहा, और 1984 में सिंघल विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष बना दिये गये। एक बार फ़िर 7 जुलाई 1984 को न्यूयार्क में दसवें विश्व हिंदू सम्मेलन से ठीक पहले की कड़ी को जोड़ते हैं, जब दिल्ली में विश्व हिंदू परिषद ने पहली बार 7 से 8 अप्रैल 1984 को धर्म संसद का आयोजन किया था। इसके सर्वेसर्वा थे अशोक सिंघल। प्रमुख विषय था, अयोध्या, काशी, मथुरा में मस्ज़िद की जगह मंदिरों का निर्माण। इसके बाद दूसरा धर्म संसद कर्नाटक के उडूपी में 31 अक्टूबर से 1 नवंबर 1985 को विहिप ने ही आहूत किया, जिसमें जगतगुरू माधवाचार्य की अध्यक्षता में 851 संत और धर्मगुरू इकठ्ठे हुए थे। द्वितीय धर्म संसद में जो आठ प्रस्ताव पास हुए, उसमें अयोध्या, काशी, मथुरा का मुद्दा भी था। उसके चार साल बाद, तीसरी धर्म संसद का आयोजन 29 से 31 जनवरी 1989 को प्रयाग में महाकुंभ के दौरान हुआ।

19 फरवरी 1981 को तमिलनाडु के मीनाक्षीपुरम में पलार समाज के 180 परिवारजन, जो अनुसूचित जाति की श्रेणी में आते थे, ने अचानक इस्लाम स्वीकार कर लिया था। जिसने ख़बर सुनी, हैरान हुआ। इस घटना से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सबसे अधिक नाखुश थीं। गृह मंत्री जैल सिंह ने जांच का आदेश दिया।

दर्द का रिश्ता ,जो मां से जुड़ा
जिसकी छांव में सिर्फ सुकून पाया
निकले जो घर से कितनी ही दूर
मां का आंचल साथ है आया।

गुजरे जो जख्म तो गम नहीं
सर पर उसकी दुआओं का साया
सब आते हैं मौसम कि तरह
स्नेह सा साथ कौन दे पाया।

वो है साक्षी धरा-सी
हमारे उत्थान और पतन की
बन देवदूत जीने का उसने
बन आदर्श रास्ता भी दिखाया।

वो नमनीय ,वंदनीय ,प्रेरणीय
प्रकृति - सी धीर वाली
जगत जननी स्वरूपा पूजनीय
हर मां में उस रचयिता की छाया।

मीनाक्षी
'निर्मल स्नेह'

लगें जरा हटके पेजबॉय स्टाइल

पेजबॉय हेयर स्टाइल एक तरह का हेयरकट है, जो सीधे, मध्यम और लंबे बालों के लिए तैयार किया गया है। पेजबॉय हेयर स्टाइल में बाल को कान के नीचे से काटा जाता है, जहां इसे अंदर की तरफ कर्ल किया जाता है, रिवर्स पेजबॉय हेयर स्टाइल में बाल को बाहर की तरफ कर्ल किया जाता है। हेयर स्टाइल को अक्सर बैंग्स के साथ भी किया जाता है, हालांकि यह जरूरी नहीं है। एक अच्छी तरह से काटा गया पेजबॉय हेयर कट आसानी से संभाला जा सकता है। 1950 के दशक में यह एक नुकीला, स्टाइलिश लुक था, जो महिलाओं को आकर्षित करता था। किसी भी हेयर स्टाइल के साथ, पेजबॉय में कई सारे बदलाव संभव हो सकता है, कुछ इनमें से वास्तविक हेयर स्टाइल से अलग दिखते हैं। नरम लुक के लिए कुछ स्टाइलिस्ट पेजबॉय में बालों को हलके से कर्ल करते हैं, जिससे कि एक वेव्व हेयर स्टाइल बन सके, जिन लोगों के स्वाभाविक रूप से लहराते बाल होते हैं, वो भी पेजबॉय कट को अपनाते हैं। अन्य स्टाइलिस्ट अधिक संरचनात्मक पेजबॉय कांटेदार परतों के साथ बनाये थे, बजाय क्लासिक सीधे, फ्लैट पेजबॉय के साथ जोड़ कर। पेजबॉय हेयर स्टाइल का लुक चेहरे पर बहुत अच्छी तरह से सेट होता है, खासकर अगर चेहरे पर थोड़ा सा मेकअप कर लिया जाए, तो ये और भी उभर कर आता है। पेजबॉय आमतौर पर महिलाओं पर देखा जाता है, हालांकि कई अभिनेताओं को फिल्मों में पेजबॉय लुक की वजह से काम मिला है। पेजबॉय हेयर स्टाइल इस सलाह की वजह से उपयोग किया गया, जिससे कि बाल कोमल और चमकदार बने। यदि आप पेजबॉय हेयर स्टाइल का विचार कर रहे हैं, तो आप एक छवि के लिए खोज पर विचार कर सकते हैं, जिससे कि आप को एक सटीक हेयर स्टाइल मिले। हालांकि पेजबॉय एक बहुत ही बुनियादी हेयर स्टाइल है, पर अगर आप उस पर बदलाव कर रहे हैं और आप की अपनाई जाने वाली शैली का स्पष्ट होना जरूरी है। कई हेयरड्रेसर के पास हेयर स्टाइल की किताबें होती हैं, जिसमें आप विशेष मॉडल की तरह अपने बालों को काटने का अनुरोध कर सकते हैं। बालों को कटवाते समय संचार महत्वपूर्ण है, इसके द्वारा ही आप समझा सकते हैं कि आप को किस तरह का पेजबॉय हेयर स्टाइल चाहिए।

पार्टी में जा रहे हैं तो ये चीजें करने से बचें

पार्टनर के साथ किसी पार्टी या गैदरिंग में जाना आपका मूड ही रिफ्रेश नहीं करता बल्कि इससे आपका बॉन्ड भी स्ट्रॉन्ग बनता है। साथ टाइम बिताना भी हमें पार्टनर के करीब लाता है।

आपको पार्टनर के साथ महीने में 2-3 बार जरूर किसी गैदरिंग या फिर शॉर्ट ट्रिप पर जाना चाहिए। आमतौर पर पार्टनर के साथ किसी गैदरिंग में जाना प्यार और रिश्ते के लिए पॉजिटिव ही होता है लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि कुछ चीजें अनजाने में हो जाती है, जिससे कि आपके बीच दूरियां आने लगती हैं,इसलिए आपको कुछ बातों का ख्याल रखना चाहिए-

पार्टनर से ज्यादा देर दूर न रहें

पार्टी या गैदरिंग में मिलना-जुलना आम बात है लेकिन कभी भी पार्टनर को छोड़कर ज्यादा देर तक दूर न रहें। खासतौर पर अगर आपका पार्टनर आपके जान-पहचान वालों की पार्टी में आया है, तो ऐसा बिल्कुल न करें। इससे उन्हें अकेलापन या बोर होने की फीलिंग आ सकती है।

अपने दोस्तों से न मिलवाना

कई लोग ऐसे होते हैं, जो अपने दोस्तों को अपने साथ आए लोगों से नहीं मिलवाते। ऐसा करके साथ खड़े किसी भी व्यक्ति को अजीब लग सकता है। खासकर आपके पार्टनर को आपका ऐसा बिहेव बहुत अजीब लग सकता है।

एक साथ खाना शेयर न करना

हर गैदरिंग में दोस्तों और फैमिली मेम्बर का साथ जरूरी है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप पार्टनर को अकेला छोड़कर किसी और के साथ डिनर या लंच करने लग जाएं। आपको अगर दोस्तों के साथ लंच करना ही है, तो अपने पार्टनर को भी जरूर इंवाइट करें।

पार्टनर को भला बुरा कहना

कभी-कभी ऐसा होता है कि पार्टनर की किसी की बात से आपका मूड खराब हो जाता है लेकिन कोशिश करें कि जो भी बात हो, घर आकर करें। गैदरिंग में पार्टनर को किसी के सामने भला-बुरा न कहें या उनकी बुराई न करें।

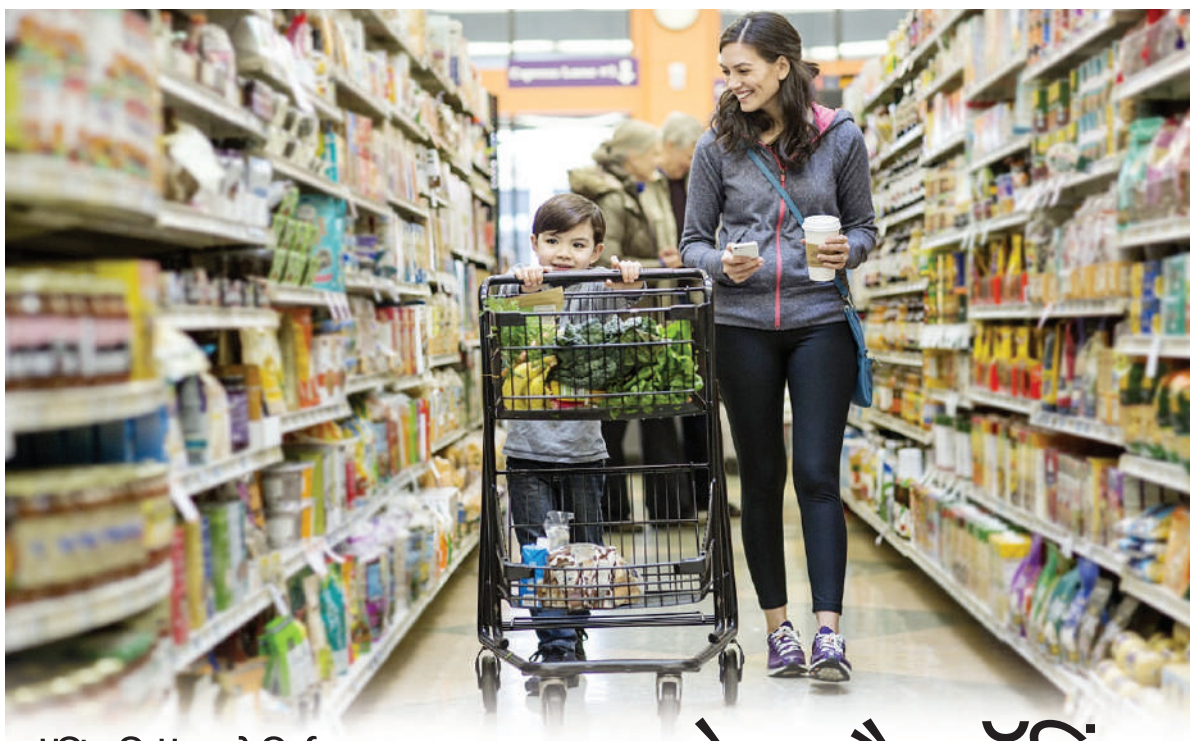

शॉपिंग डिटॉक्स से सिर्फ पैसों की ही बचत नहीं होती, बल्कि इससे अन्य भी कई लाभ मिलते हैं।

क्या होता है शॉपिंग डिटॉक्स और आपके लिए यह क्यों है जरूरी

महिलाओं के सामने जब भी शॉपिंग का नाम लिया जाता है, तो उनके चेहरे पर एक गजब की मुस्कान छा जाती है। कई बार हम जरूरी चीजों को खरीदने के लिए शॉपिंग करते हैं। वहीं जब कभी मूड ऑफ होता है तो खुद को पैम्पर करने या फिर फील गुड के लिए भी महिलाएं शॉपिंग करना पसंद करती हैं। खासतौर से, टेक्नोलॉजी की दुनिया में फोन की स्क्रीन को स्क्रॉल करते हुए शॉपिंग करना और भी ज्यादा आसान हो गया है। हालांकि, इस तरह अक्सर हम उन चीजों को भी खरीद लेते हैं, जिनकी हमें वास्तव में कोई जरूरत नहीं होती। बस हमें वह आइटम देखने में अच्छी लगती है और हम यह सोचते हैं कि इसका इस्तेमाल हम किसी ना किसी रूप में अवश्य कर लेंगे। लेकिन अमूमन ऐसा होता नहीं है और काफी सारे पैसे यूं ही बर्बाद हो जाते हैं। यकीनन आप भी अक्सर इंप्लसिव शॉपिंग करती होंगी या फिर मार्केट जाकर खुद को खरीदारी करने से रोक नहीं पाती होंगी। अगर शॉपिंग करना आपको खुशी देता है या फिर आप केवल खुद को फील गुड करवाने के लिए शॉपिंग करती हैं तो अब वक्त आ गया है कि आप शॉपिंग डिटॉक्स का रास्ता चुनें। इससे आपको कई फायदे मिलते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि क्या है शॉपिंग डिटॉक्स और आपके लिए किस तरह हो सकता है लाभदायक-

क्या है शॉपिंग डिटॉक्स

जिस तरह जब हमारी बॉडी में टॉक्सिन बढ़ जाते हैं तो हम बॉडी को डिटॉक्स करते हैं। ठीक उसी तरह, अगर शॉपिंग के कारण आपकी लाइफ टॉक्सिक होने लगी है तो शॉपिंग डिटॉक्स करना बेहद जरूरी है। शॉपिंग डिटॉक्स के दौरान आप एक तय समय के लिए खुद पर ही लगाम लगाते हैं और खुद को बेवजह की शॉपिंग करने से रोकते हैं। यह आपके लिए फाइनेंशियली व मेंटली तौर पर कुई मायनों में लाभदायक है।

पैसों की बचत

जब आप शॉपिंग डिटॉक्स का रास्ता चुनते है तो इसका सबसे पहला और सीधा लाभ यह होता है कि इसकी वजह से आपकी काफी सारी पैसों की बचत होती है। अगर आपको हर दूसरे-तीसरे दिन शॉपिंग करने की आदत है तो यकीनन आप अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा अनावश्यक चीजों को खरीदने में खर्च कर देती होंगी। लेकिन शॉपिंग डिटॉक्स के दौरान आप अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा बेहद आसानी से बचा पाती हैं।

बेवजह तनाव से मुक्ति

कुछ महिलाओं को ऐसा लगता है कि शॉपिंग से उन्हें खुशी मिलती है। लेकिन वास्तव में, जब आप शॉपिंग करके बेवजह पैसे खर्च करते हैं तो महीने के अंत में आपको तनाव होता है, क्योंकि जरूरी खर्चों के लिए भी आपके पास पैसे नहीं बचते हैं। वहीं, अत्यधिक शॉपिंग से आपका बजट पूरा बिगड़ जाता है। लेकिन जब आप शॉपिंग डिटॉक्स करते हैं तो आपके काफी सारे पैसों की बचत होती है, जिससे बेवजह तनाव से मुक्ति मिलती है और अंततः आप अधिक हैप्पी महसूस करते हैं।

खुशियों के रास्ते

कुछ महिलाओं की आदत होती है कि वह खुद को लो फील करने पर शॉपिंग करती हैं। शॉपिंग करने से उन्हें फील गुड होता है और वह अधिक हैप्पी महसूस करती हैं। हो सकता है कि थोड़े पैसे खर्च करके खुशी प्राप्त करने में आपको शायद कोई बुराई नजर ना आती हो। लेकिन हैप्पीनेस के लिए शॉपिंग पर निर्भर रहना सही नहीं है। जब आप शॉपिंग डिटॉक्स करते हैं तो कुछ वक्त के लिए आपको एंग्जाइटी महसूस होती है। लेकिन लगातार ऐसा करने से आपकी निर्भरता शॉपिंग से कम होती है और आप खुद को खुश रखने के लिए कुछ अतिरिक्त रास्ते खोज लेती हैं।

सेल्फ कंट्रोल

कहते हैं कि किसी भी चीज की अति क्षति का कारण बनती है। ऐसा ही कुछ आपकी शॉपिंग की आदत के साथ भी होता है। अगर आपको शॉपिंग करना इतना अच्छा है कि आप चाहकर भी खुद को रोक नहीं पाती हैं, तो ऐसे में आपको शॉपिंग डिटॉक्स का रास्ता अपनाना चाहिए। इसका लाभ यह होता है कि इससे आपको सेल्फ कंट्रोल करने में मदद मिलती है। इस तरह, आप बाहरी चीजों के हाथ में नहीं होते हैं, बल्कि अपनी सुविधानुसार उन्हें हैंडल करना सीख जाते हैं।

रसोई में कभी न करें ये गलती

- दूध उबालते समय उसे धीमी आंच पर रख कर पकाएं। क्योंकि दूध उबलने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसके अलावा इससे पैसों की कमी की भी होती है और परिवार के लोग भी बीमार रहने लगते हैं।
- आज के इस स्टैंडिंग किचन के जमाने में महिलाएं स्लैब पर ही रोटी बेल लेती हैं लेकिन इसका गलत असर सेहत पर पड़ता है। इसलिए रोटी हमेशा लकड़ी के चकले पर ही बेल कर बनाएं। इससे धन लाभ के साथ-साथ बीमारियां भी दूर होंगी।
- रसोई घर को मां अन्नपूर्णा माना जाता है। इसलिए कोई भी काम करने के बाद किचन को साफ जरूर करें। इसके अलावा गैस को भी कभी गंदा न रखें। इससे घर में दलिद्रता फैलती है।
- रसोई की सजावट करने के लिए आप श्री कृष्णा का मक्खन खाते हुई कोई तस्वीर लगा सकते है। इससे किचन के साथ घर में भी सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।
- घर का मेन गेट और किचन को कभी भी आमने-सामने न बनाएं। इससे घर में पाचन संबंधी बीमारियां फैलती है। किचन को हमेशा मेन गेट से दूर बनाएं और उसे हमेशा ढक कर रखें।

हर महिला अपना ज्यादातर समय किचन में ही गुजारती है। महिलाएं अपने परिवार के लिए हेल्दी और स्वादिष्ट खाना बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ती। टेस्टी खाना बनाने के साथ-साथ महिलाएं किचन की साफ सफाई का भी पूरा ध्यान रखती है लेकिन इसके बावजूद भी वो अनजाने में कुछ गलतियां कर देती है। आपके द्वारा की गई यह छोटी-मोटी गलतियां घर में नकारात्मक ऊर्जा और पैसों की कमी का कारण बन सकती है। इसके अलावा कुछ गलतियों के कारण आपके परिवार की हेल्थ पर भी असर पड़ता है। आज हम आपको ऐसी ही कुछ गलतियों के बारे में बताने जा रहें है जो महिलाओं को नहीं करनी चाहिए।

बालों में कलर कराने जा रहे हैं या अक्सर कराते हैं तो कुछ बातों का ख्याल जरूर रखें

हेयर कलर कराते वक्त किन बातों का ख्याल रखना जरूरी होता है, साथ ही फैशन कलर और ग्रे कवरेज कलर करा रहे हैं तो इसके बाद कैसे बालों की देखभाल करें, इन सबकी जानकारी होना आवश्यक है।

हेयर कलर कराना आजकल ट्रेंड में है। कई बार बालों की सफेदी छुपाने के लिए तो कभी लुक बदलने के लिए लोग हेयर कलर कराते रहते हैं। लेकिन किस तरह का कलर कराना चाहिए, बालों को अधिक नुकसान तो नहीं होगा जैसी जानकारी होनी भी जरूरी है, ताकि बाद में किसी तरह की समस्या न हो।

उम्र के अनुसार चुनाव

आजकल फैशन में भी बालों में रंग लगाया जाता है। लेकिन इन्हें भी उम्र के अनुसार चुनें। युवा हैं तो फैशन कलर, जैसे रेड, ब्राउन, गोल्डन करा सकते हैं। उम्र में बड़े हैं और बाल सफेद हैं तो ब्लैक, ब्राउन रंगों का चुनाव कर सकते हैं।

गुणवत्ता से न हो समझौता

युवा बदल-बदल के कलर कराते रहते हैं। ऐसे में अक्सर ये सोचते हैं कि मंहगा कलर क्यों कराना जब कुछ ही समय में दूसरा कलर कराएंगे। यही ग्रे कवरेज वाले सोचते हैं और सफेद बालों पर सस्ता रंग करा लेते हैं, जो कि बालों को नुकसान पहुंचाता है। इसलिए हमेशा अच्छी कंपनी का कलर ही कराएं। कोशिश करें कि हर्बल कलर हो, ताकि नुकसान की गुंजाइश कम से कम रहे।

इन आधार पर कराएं

बाल सुंदरता में बड़ी भूमिका अदा करते हैं। इसलिए कलर हमेशा चेहरे, बालों की लंबाई और प्रोफेशन के अनुसार ही कराएं। शालीनता भरी जगह कार्य करते हैं और फंकी कलर कराएंगे तो हो सकता है आपको खुद में अजीब लगे। इसलिए सभी बातों का ख्याल रखकर बाल कलर कराएं।

रंग का बचाव

कुछ लोगों को 1-2 दिन छोड़कर ही बाल धोने की आदत होती है। इस कारण बालों से रंग जल्दी निकल जाता है, खासतौर पर फैशन कलर। इसलिए बालों को कम धोएं, हफ्ते में एक या जरूरी होने पर दो बार धोएं। धूप में निकलने पर बालों को कवर जरूर करें अन्यथा रंग जल्दी निकल जाता है।

नैप टैस्ट कराएं

कभी भी पूरे बालों पर एक साथ कलर न कराएं, बल्कि थोड़े बालों पर कराकर देखें। इससे आप समझ पाएंगे कि आप पर रंग कैसा लग रहा है। पूरे बाल कलर कराने के बाद रंग पसंद न आने पर मुश्किल हो सकती है।

देखभाल की जानकारी

अगर फैशन कलर करा रहे हैं तो बालों की जड़ों से 1-2 इंच ऊपर से कराएं। इससे बालों को कम नुकसान होता है। अगर सफेद बालों पर कलर कर रहे हैं तो जड़ों से ही होगा। ऐसे में कलर किए बालों के लिए अलग से शैम्पू, कंडीशनर आदि आते हैं, उन्हीं का इस्तेमाल करें।

न्यूज ब्रीफ

ब्राजील में मिला डायनासोर के 6 करोड़ साल पुराने अंडों से भरा घोसला, वापसी करेगा धरती का राजा

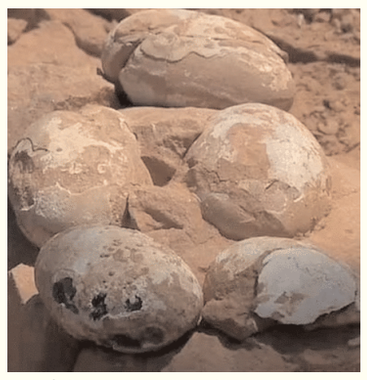

ब्रासीलिया। ब्राजील में जीवाश्म बन चुके डायनासोर के अंडों का घोसला मिला है। बताया जा रहा है कि ये अंडे 6 करोड़ साल पुराने हैं। ये अंडे मिट्टी में दब गए और बाद में जीवाश्म बन गए। डायनासोर के इस घोसले में 5 अंडे मिले हैं। पहले माना जाता था कि ये अंडे प्राचीन घड़ियाल के हैं लेकिन जांच करने पर इनकी असलियत सामने आई। यह घोसला ब्राजील के साओ पाउलो शहर शहर के प्रेसिडेंटे प्रूडेंटे इलाके में मिले हैं। जी1 की रिपोर्ट के मुताबिक जीवाश्म विज्ञानी विलियम राबर्टो नावा की टीम ने इन अंडों का व्यापक विश्लेषण किया है। उन्होंने पाया कि ये अंडे घड़ियाल के अंडों से ज्यादा बड़े और मोटी खोल वाले हैं। इस स्थल पर हुई ज्यादातर खोजों के लिए जिम्मेदार नावा ने बताया कि डायनासोर के ये अंडे 4 से 5 इंच लंबे हैं और 2 से 3 इंच चौड़े हैं। वहीं प्राचीन घड़ियाल के अंडे 3 इंच से ज्यादा लंबे नहीं होते थे।

मिट्टी की कई परत इतने वर्षों में अंडों के ऊपर जमा

डायनासोर के ये अंडे जमीन के अंदर सुरक्षित थे जो अब समय के साथ बलुआ पत्थर में बदल गई है। नोवा ने बताया कि करोड़ों साल में ये मिट्टी अंडों की प्राकृतिक संरक्षक बन गई। मिट्टी की कई परत इतने वर्षों में अंडों के ऊपर जमा हो गई। इन अंडों को पिछले साल निकाला गया था लेकिन हाल ही में यह पता चला है कि ये डायनासोर के अंडे हैं। इन अंडों में जीवाश्म बन चुके भ्रूण भी मौजूद हो सकते हैं। इससे पहले चीन में भ्रूण समेत डायनासोर का अंडा मिला था जिसकी दुनियाभर में चर्चा हुई थी। इस बीच ब्रिटेन में एक समुद्र तट पर पाए गए डायनासोर के पैरों के निशान से पता चला है कि ये विशालकाय जानवर 200 मिलियन (20 करोड़) साल पहले यहां इकट्ठा हुए थे। वैज्ञानिक लंबी गर्दन वाले डायनासोर के एक समूह के पैरों के निशानों का अध्ययन कर रहे हैं। 3डी मॉडल बनाने के लिए प्रिंट की गई तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया है ताकि शोधकर्ता और ज्यादा आसानी और सटीकता से अध्ययन कर सकें।

सूरज की रौशनी में सूखकर बनते हैं जीवाश्म

ब्रिटेन और फ्रांस के वैज्ञानिकों की रिसर्च के नतीजे अब Geological Magazine में प्रकाशित हुए हैं। वैज्ञानिकों ने कहा कि इन आकृतियों के उभरे हुए किनारे हैं जिन्हें Squelch Marks कहा जाता है, जहां डायनासोर अपना पैर कीचड़ में रखते हैं। ये निशान सूरज की रोशनी में सूख जाते हैं और फिर जीवाश्म में बदल जाते हैं। इससे पहले धरती पर राज करने वाले डायनासोर के पैरों के हजारों निशान पोलैंड में मिले थे।

डायनासोर के बाद सबसे बड़े विनाश की ओर बढ़ी धरती खत्म हो जाएंगे हाथी, मेंढक, शार्क : डब्ल्यूडब्ल्यूएफ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लंदन

वैश्विक पर्यावरण और पशुओं के लिए काम करने वाले चर्चित संगठन वर्ल्ड वाइड फंड ने दुनिया को चेतावनी दी है कि अगले एक दशक में धरती डायनासोर के खात्मे के बाद सबसे बड़े विनाश की ओर बढ़ रही है। इसमें करोड़ों वृक्ष और जीव विलुप्त हो जाएंगे। जिन जीवों पर सबसे ज्यादा खतरा मंडरा रहा है, उनमें हाथी, ध्रुवीय भालू, शार्क, मेंढक और मछलियां शामिल हैं। ऐसे जीवों की तादाद 10 लाख है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ने साल 2021 के लिए अपने विनर्स एंड लूजर्स की रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में कहा गया है, %अगले एक दशक में करीब 10 लाख जीव विलुप्त हो जाएंगे। डायनासोर काल में हुए महाविनाश के बाद यह सबसे बड़ा विनाश होने जा रहा है। इस समय संरक्षण के जरूरी रेड लिस्ट में 142,500 प्रजातियां शामिल हैं और इसमें से 40 हजार प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है।

वैश्विक स्तर पर जीवों के विलुप्त होने की दर बहुत तेज:- इंटरनैशनल यूनियन फॉर कंजरवेशन ऑफ नेचर की साल 1964 में पहली बार बनाई गई इस लिस्ट में यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ने चेतावनी दी है कि वैश्विक स्तर पर जीवों के विलुप्त होने की दर बहुत तेजी से बढ़ सकती है। संगठन ने एक वैश्विक संरक्षण समझौते का आह्वान किया है। जिन जीवों पर सबसे ज्यादा विलुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है, उनमें अफ्रीका में वनों में पाए जाने वाले हाथी शामिल हैं। पिछले 31 साल में इन हाथियों की तादाद में 86 फीसदी की कमी आई है। यही नहीं आर्कटिक समुद्र में बर्फ के तेजी से पिघलने की वजह से ध्रुवीय भालुओं के विलुप्त होने का खतरा पैदा हो गया है। ऐसा अनुमान है कि साल 2035 तक पूरा आर्कटिक इलाका बर्फ से खाली हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि समुद्र में बहुत ज्यादा मछली पकड़े जाने, आवास के खत्म होने और जलवायु संकट से सभी तरक की शार्क की संख्या में 30 फीसदी तक की गिरावट आई है।

पटना में नए साल 2022 के पहले दिन ईसाई कैथोलिक चर्च के अंदर प्रार्थना करते हैं।

दक्षिण अफ्रीका में नाइट कर्फ्यू खत्म

बिना तबाही मचाए घटने लगे केस, भारत के लिए अच्छे संकेत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज जोहानिसबर्ग

ओमीक्रोन की महालहर से जूझ रही दुनिया के लिए अच्छी खबर है। दक्षिण अफ्रीका ने कोरोना वायरस महामारी को फैलने से रोकने के लिए दो वर्ष पहले लगाया गया रात का कर्फ्यू हटा दिया है। दक्षिण अफ्रीका वही देश है जहां पर ओमीक्रोन वेरिएंट का सबसे पहला मामला सामने आया था। अधिकारियों ने बताया कि देश कोविड-19 महामारी की अपनी चौथी लहर के चरम को शायद पार कर गया है। इस ऐलान के बाद तेजी से फैल रहे कोरोना वायरस के नये वेरिएंट ओमीक्रोन का सामना कर रहे भारत जैसे देशों के लिए इससे उम्मीद जगी है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति कार्यालय ने राष्ट्रीय कोरोना वायरस कमांड काउंसिल (एनसीसीसी) और राष्ट्रपति समन्वय परिषद (पीसीसी) की गुरुवार को संपन्न बैठकों के बाद इस आशय की घोषणा की। कार्यालय ने देश में वर्तमान में चल रही संक्रमण की चौथी लहर के प्रबंधन के बारे में अद्यतन जानकारी ली। देश में चौथी लहर में अधिकतर मामले ओमीक्रोन के हैं। ओमीक्रोन का पहला मामला दक्षिण अफ्रीका में ही सामने आया था। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा, 'कर्फ्यू हटाया जाएगा। लोगों की आवाजाही के समय पर अब कोई पाबंदी नहीं रहेगी।' सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ा दी गई है। बयान में कहा गया, 'बंद स्थानों पर एक हजार और खुले स्थानों पर दो हजार से ज्यादा लोगों को इकट्ठा होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जहां समारोह स्थल छोटे हैं और जहां सामाजिक दूरी का अनुपालन करते हुए इतने लोग शामिल नहीं हो सकते, वहां समारोह स्थल की क्षमता से आधे लोग ही आमंत्रित किए जाएंगे। अन्य पाबंदियां पहले की ही तरह जारी रहेंगी।' बयान में कहा गया, 'सभी संकेतक इस ओर इशारा करते हैं कि देश राष्ट्रीय स्तर पर महामारी की चौथी लहर के चरम को शायद पार कर गया है।' इसमें यह भी कहा गया कि पिछले हफ्तों में देश के नौ प्रांतों में से दो को छोड़ कर शेष स्थानों पर मामलों की संख्या कम हुई है। पिछले शनिवार को समाप्त हुए सप्ताह में संक्रमण के 89,781 मामलों की पुष्टि हुई थी जो इससे पहले के सप्ताह के 1,27,753 के आंकड़े से कम है। दक्षिण अफ्रीका में महामारी के दौरान कोविड के करीब 35 लाख मामले सामने आए और 90,000 से अधिक लोगों की मौत हुई। कर्फ्यू की अवधि में ढील दिये जाने में देश में टीकाकरण का स्तर, अस्पताल में कम संख्या में संक्रमितों के भर्ती होने सहित अन्य कारकों की भूमिका रही है। हालांकि, ओमीक्रोन स्वरूप के बेहद संक्रामक होने की वजह से संक्रमण के मामलों में वृद्धि होने का खतरा अब भी अधिक है। सरकार ने कार्यक्रमों के आयोजकों को सभी स्वास्थ्य नियमों का पालन हमेशा करने के निर्देश दिए हैं और कहा है कि इसमें शामिल होने वाले लोगों के बीच टीकाकरण को बढ़ावा दिया जाए। रेस्त्रां उद्योग ने रात 11 बजे के बाद भी रेस्त्रां में शराब परोसने की अनुमति देने के सरकार के फैसले का स्वागत किया है।

चीन ने 31 साल बाद पहली बार निकारागुआ में खोला दूतावास

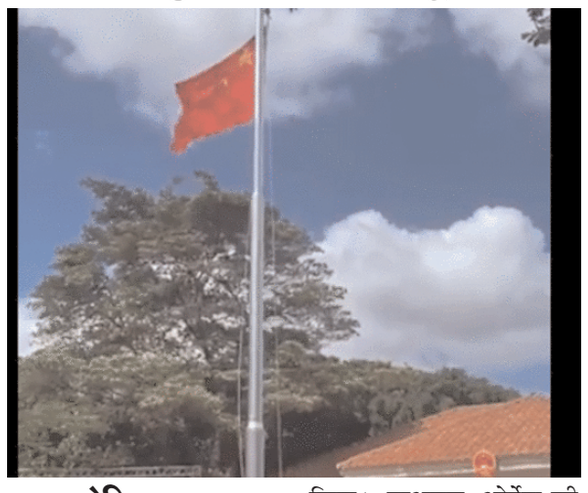

» अमेरिका-ताइवान को बड़ा झटका

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मनागुआ

चीन ने वर्ष 1990 के बाद से पहली बार निकारागुआ में दूतावास खोला है। चीन ने यह कदम निकारागुआ के राष्ट्रपति डेनियल ओर्टेगा की सरकार के ताइवान से संबंध समाप्त करने के बाद उठाया है। विदेश मंत्री डेनिस मोनकाडा ने कहा कि दोनों देशों के बीच एक प्रकार की 'वैचारिक आत्मीयता' है। मोनकाडा ने कोरोना वायरस संक्रमण रोधी टीके सिनोफार्म की दस लाख खुराक देने के लिए चीन का आभार भी व्यक्त किया। दरअसल, ओर्टेगा की सरकार ने चीन के साथ 1985 में संबंध स्थापित किए थे, लेकिन 1990 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव हार जाने के बाद देश के नए राष्ट्रपति विलेटा कामारो की सरकार ने ताइवान को मान्यता दे दी। निकारागुआ की सरकार ने ताइवान के साथ नौ दिसंबर को संबंध समाप्त कर लिए थे और पिछले सप्ताह उसने ताइवान के दूतावास कार्यालय बंद कर दिए तथा कहा कि वे चीन के हैं। हालांकि चीन का नया दूतावास किसी और स्थान पर है तथा फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि वह ताइवान की इमारत का क्या करेगा।

नए साल पर चीनी ड्रैगन की भड़काऊ हरकत, गलवान घाटी से बोला- नहीं देंगे एक इंच जमीन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बीजिंग

चीनी ड्रैगन ने अरुणाचल प्रदेश में नाम बदलने और भारतीय सांसदों को पत्र लिखने के बाद नए साल पर एक और घटिया हरकत की है। चीन ने लद्दाख की गलवान घाटी का एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में चीनी सैनिक नए साल की बधाई देते नजर आ रहे हैं। भारतीय सीमा के पास मौजूद ये चीनी सैनिक कह रहे हैं कि हम देश की सीमाओं की रक्षा करेंगे। इनके पीछे पहाड़ी पर लिखा है, कभी भी एक इंच जमीन नहीं देंगे चीन ने एक और वीडियो जारी किया है जिसमें चीनी झंडे को तिब?बत के बर्फीले इलाके में एक ड्रोन से फहराया जा रहा है। चीनी सैनिक नए साल की बधाई दे रहे हैं। भारत और चीन के बीच पिछले कई महीने से लद्दाख में विवाद बना हुआ है। भारत और चीन के सैनिकों के बीच 15 जून 2020 को खूनी झड़प हुई थी। इस झड़प में भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे, वहीं चीन के भी 40 से ज?यादा सैनिक मारे गए थे। हालांकि चीन आधिकारिक रूप से मरने वालों की संख्या 5 ही मानता है।

अरुणाचल में 15 और स्थानों के लिए चीनी अक्षरों के नामों की घोषणा

इस झड़प के दौरान चीन के कमांडर समेत कई जवान घिर गए थे। यही नहीं जब भारतीय सैनिक भारी पड़ने लगे तब चीनी सेना ने और सैनिकों को बुला लिया था। अभी भी दोनों ही तरफ से करीब 50-50 हजार सैनिक लद्दाख में एलएसी पर तैनात हैं। इससे पहले अभी चीन ने अरुणाचल प्रदेश में भारतीय इलाकों के नाम बदल दिए थे। चीन ने अरुणाचल प्रदेश में 15 और स्थानों के लिए चीनी अक्षरों, तिब्बती और रोमन वर्णमाला के नामों की घोषणा की है। इन्हीं नामों का इस्तेमाल अब चीन के आधिकारिक नक्शे में किया जाएगा। विशेषज्ञों के मुताबिक चीन का यह ताजा कदम हाल ही में भारतीय इलाके पर उसके दावे को और ज्यादा तेज करने से जुड़ा हुआ है।

अमेरिका में बेकाबू हुई जंगल की आग, खाक हुए 580 घर, अधिकारियों को बर्फबारी का इंतजार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज डेनवर

अमेरिका के कोलोराडो राज्य के डेनवर के जंगल में लगी आग के फैलने से करीब 580 मकान, एक होटल और एक शॉपिंग सेंटर जलकर खाक हो गया। आसपास के इलाकों से हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। डेनवर के बाहरी इलाके में गुरुवार सुबह आग में कम से कम सात लोग घायल हो गए। बोल्डर काउंटी के शेरिफ (काउंटी में कानूनी मामलों के अधिकारी) जो पेले ने बताया कि क्षेत्र में 169 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा के कारण भड़की आग के फैलने से कुछ और लोगों के हताहत होने की आशंका है।

आग पर तुरंत काबू पाना संभव नहीं

पेले ने कहा कि इतनी भीषण आग है जिसे तत्काल नियंत्रित नहीं कर सकते। बचाव अभियान के लिए क्षेत्र में तैनात डिप्टी शेरिफ और अग्निशामक कर्मचारियों को भी निकलना पड़ा। करीब 21,000 की आबादी वाले लुइसविले शहर को खाली करने का आदेश दिया गया। इससे पहले सुपिरियर को खाली करने का आदेश दिया गया था, जहां की आबादी करीब 13,000 है। ये पड़ोसी शहर डेनवर के उत्तर-पश्चिम में लगभग 20 मील (32 किलोमीटर) दूरी पर स्थित हैं।

बर्फबारी से आग पर काबू पाने की आशंका

कोलोराडो के जंगल में यह आग गुरुवार को लगनी शुरू हुई थी। करीब 6.5 वर्ग किलोमीटर में फैली जंगल की आग से क्षेत्र के कई हिस्से धुएं से भर गए हैं और आसमान में लपटे उठती दिखीं। अधिकारी हालात पर नजर रखे हुए हैं और यह देख रहे हैं कि बचावकर्मी फंसे हुए लोगों को निकालने और नुकसान का आकलन करने के लिए प्रभावित क्षेत्र में कब जा सकते हैं। क्षेत्र में शुक्रवार को एक इंच बर्फबारी का अनुमान जताया गया है जिससे आग पर काबू पाने में मदद मिलने की संभावना है।

रियासी जिले के माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ के कारण श्रद्धालु बिना दर्शन और पूजा-अर्चना किए लौट गए। जम्मू-कश्मीर में तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए।

न्यूज ब्रीफ

एटीपी कप में स्पेन और अर्जेन्टीना की जीत से शुरुआत

सिडनी। अर्जेन्टीना और स्पेन ने शनिवार को यहां 16 टीम के एटीपी कप टूर्नामेंट के पहले दिन अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। अर्जेन्टीना ने जॉर्जिया के खिलाफ 3-0 की आसान जीत दर्ज की जबकि स्पेन ने चिली को इसी अंतर से हराया। यह टीम टूर्नामेंट सिडनी के दो स्टेडियम में खेला जा रहा है। दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी डिएगो श्वार्ट्जमैन ने एकल मुकाबले में जॉर्जिया के निकोलोज बासिलाशविली को 6-1, 6-2 से हराकर अर्जेन्टीना को 2-0 की निर्णायक बढ़त दिलाई। इससे पहले फेडेरिको डेलबोनिस ने एलेक्सांद्रे मात्रेवेली को 6-1, 6-2 से शिकस्त दी। युगल मुकाबले में मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोलतेनी ने सबा पर्तसेलाजे और जुरा केमालाजे की जॉर्जिया की जोड़ी को 6-1, 6-2 से हराकर 3-0 से क्लीनस्वीप किया। दिन के एक अन्य मुकाबले में दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी पाब्लो कारेनो बुस्ता ने एक ब्रेक से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चिली के एलेसांद्रो ताबिलो को 6-4, 7-6 (7-4) से हराकर स्पेन को बढ़त दिलाई। रॉबर्टो बतिस्ता आगुत ने इसके बाद चिली के दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टियन गेरिन को 6-0, 6-3 से हराकर स्पेन की जीत सुनिश्चित की। एलेक्सांद्रो डेविडोविच फोकिना और पेड्रो मार्टिनेज ने इसके बाद चिली के टॉमस बारियोस वेरा और ताबिलो को 7-6 (3), 4-6, 10-7 से हराकर स्पेन के लिए क्लीनस्वीप सुनिश्चित किया।

डिकॉक के संन्यास के फैसले से पीटरसन हैरान, कहा- मैंने इसकी उम्मीद नहीं की थी

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व सलामी बल्लेबाज अलविरो पीटरसन टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास के क्विंटोन डिकॉक के फैसले से स्तब्ध हैं और उनका मानना है कि निकट भविष्य में और भी खिलाड़ी यह कदम उठा सकते हैं। महज 29 वर्ष की उम्र में और 54 टेस्ट ही खेल चुके डिकॉक ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। वह वनडे और टी20 क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। पीटरसन ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मैं इस फैसले से हैरान हूं। मैंने इसकी उम्मीद नहीं की थी। सेंचुरियन टेस्ट में लंच ब्रेक के समय मुझे लगा कि वह 100 प्रतिशत नहीं दे पा रहा है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसे अपने शॉट खेलना पसंद है। जब कभी भी परिवार के साथ कोई मसला हो या आप लंबे दौरे पर हो तो एक पैर हमेशा विमान में रहता है। मुझे ऐसा लगा कि उसका एक पैर घर पर है। पीटरसन ने कहा कि मैं हैरान हूं लेकिन दुनिया भर में लुभावनी टी20 लीग और द हंड्रेड सीरीज से खिलाड़ियों की सोच बदल गई है। पहले टेस्ट क्रिकेट सर्वोपरि होता था लेकिन अब नहीं ।

हरभजन सिंह का धोनी पर आरोपरिटायरमेंट के बाद भज्जी बोले- टीम से निकाले जाने का धोनी से नहीं मिला कोई जवाब

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने हाल ही में रिटायरमेंट की घोषणा की थी। संन्यास के बाद भज्जी ने एक टीवी चैनल पर दिए गए इंटरव्यू में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें टीम से बाहर क्यों किया गया, इसका कारण किसी ने नहीं बताया। भज्जी ने कहा, %जब टीम में सिलेक्शन नहीं हो रहा था, मैंने अपनी बात कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के सामने भी रखी, लेकिन उन्होंने मुझे कोई जवाब नहीं दिया। तब मैं समझ गया कि मुझे जवाब नहीं मिलने वाला है। जब बार-बार कहने पर भी जवाब नहीं मिला, तो मैंने कहना ही छोड़ दिया।

100 विकेट और ले सकता था

भज्जी ने आगे कहा, मैं 31 साल का था तभी मैने टेस्ट में 400 विकेट हासिल कर लिए थे। यदि मैं 31 साल की उम्र में 400 विकेट ले लेता हूं, तब 8-9 साल में मुझे भरोसा था कि मैं कम से कम और 100 से ज्यादा विकेट ले सकता हूं, लेकिन मुझे ज्यादा मैचों में नहीं खिलाया गया। मुझे टीम में सिलेक्ट भी नहीं किया गया।%

किसे प्रॉब्लम थी पता नहीं चला

भज्जी ने कहा कि जिस खिलाड़ी ने 400 विकेट लिए हों, उसे बाहर कैसे बैठाया जा सकता है। इस बात का अब तक पता नहीं चल सका है कि मुझसे किसे प्रॉब्लम थी।

2015 में खेला था आखिरी टेस्ट और वनडे

हरभजन ने 103 टेस्ट में 417 विकेट लिए हैं। वहीं, 237 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 269 विकेट और 28 टी-20 इंटरनेशरनल मुकाबलों में 25 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट 2015 अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ था और आखिरी वनडे मैच 2015 अक्टूबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था।

2022 का पहला शतक

न्यूजीलैंड के डेवन कॉनवे ने बांग्लादेश के खिलाफ खेली शानदार पारी, 14 चौके और 1 छक्के जड़े

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज ढाका

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच माउंट मॉन्गनुई में खेला जा रहे पहले देश में न्यूजीलैंड के डेवन कॉनवे ने साल का पहला शतक बनाया है। दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट मैच 1 जनवरी से खेला जा रहा है। कॉनवे ने अपना शतक 186 गेंदों में 14 चौके और 1 छक्के की मदद से पूरी की। उनका यह टेस्ट करियर का दूसरा शतक है।

कप्तान मोमिनुल हक ने लिया विकेट

कॉनवे की पारी का अंत बांग्लादेश के केप्तान मोमिनुल हक ने किया। पारी के 80 वें ओवर में बाएं हाथ से गेंदबाजी करने वाले मोमिनुल ने विकेटकीपर लिटन दास के हाथों कैच कराकर कॉनवे को पवेलियन की राह दिखाई। कॉनवे ने 227 गेंदों पर 122 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 16 चौके और 1 छक्के लगाए।

72 की औसत से रन बना रहे हैं रन

डेवॉन कॉनवे पिछले साल जून महीने में इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स के मैदान पर डेब्यू किया था। कॉनवे ने अपने पहले ही मैच में डबल सेंचुरी लगाकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था। उन्होंने अब तक खेले 4 टेस्ट मैचों में 71.57 की औसत से 501 रन बनाए हैं। जिसमें 2 सेंचुरी, 1 डबल सेंचुरी और 2 हाफ सेंचुरी भी शामिल है। वहीं 3 वनडे में 75 की औसत से 225 रन बनाए हैं।

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 250 से ज्यादा रन बनाए

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 250 से ज्यादा रन बना लिए हैं। हालांकि न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज और कप्तान टॉम लाथम सिर्फ 1 रन बनाकर शोरिफल इस्लाम की गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए कॉनवे के साथ 138 रनों की साझेदारी निभाई। इस सीरीज के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले अनुभवी बल्लेबाज रॉस टेलर ने 31 रनों की पारी खेली। टेलर ने तीसरे विकेट के लिए कॉनवे के साथ 50 रनों की साझेदारी निभाई।

रणवीर सिंह के साथ रवि शास्त्री ने मचाया धमाल

हम बने तुम बने एक दूजे के लिए गाने पर पूर्व कोच का धमाकेदार डांस

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया के पूर्व कोच रवि शास्त्री और बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह का धमाकेदार डांस सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल हो रहा ये वीडियो फिल्म 83 के प्रीमियर नाइट की है, जिसमें दोनों जमकर डांस कर रहे हैं। दोनों हम बने तुम बने एक दूजे के लिए गाने पर थिरक रहे हैं। इस वीडियो में 1983 वर्ल्ड कप के हीरो बलविंदर सिंह संधू भी हैं। रवि शास्त्री ने इस पार्टी का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, %2022 में जाने का एहसास बहुत ही सुखद। शानदार डांस सिखाने के लिए रणवीर सिंह का शुक्रिया। 2022 आप सभी के लिए शानदार, स्वस्थ्य और प्रेरणा वाला साल हो।

रणवीर सिंह की फिल्म 83 हाल ही में हुई है रिलीज:- रणवीर सिंह की फिल्म 83 कुछ समय पहले ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। ये फिल्म 1983 वर्ल्ड कप पर आधारित है। इस मूवी ने अब तक लगभग 72 करोड़ की कमाई की है। शास्त्री ने हाल ही में टीम इंडिया की कोचिंग छोड़ी है। उनकी जगह राहुल द्रविड़ को टीम इंडिया का नया कोच बनाया गया है। शास्त्री को 2017 में टीम इंडिया का हेड कोच बनाया गया था। उससे पहले 2014 से 2015 के वर्ल्ड कप तक वे टीम के डायरेक्टर थे।

हाल ही में शास्त्री ने धोनी की जमकर तारीफ की थी:- हाल ही में शास्त्री ने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा था, %धोनी के रिटायरमेंट के फैसले से सभी हैरान थे। धोनी मेरे पास आए और कहा कि मैं टीम से कुछ बातें करना चाहता हूं। मुझे लगा कि आखिरी दिन शानदार बल्लेबाजी कर मैच को ड्रॉ करने में टीम को सफलता मिली है, ऐसे में वह मैच से संबंधित ही कुछ कहेंगे, लेकिन उन्होंने अपने संन्यास लेने का ऐलान कर सबको चौंका दिया। उसके बाद ड्रेसिंग रूम में मौजूद सभी खिलाड़ियों का चेहरा उतर गया।

राहुल की टीम इंडिया

बल्लेबाज
राहुल (कप्तान), धवन, ऋतुराज गायकवाड, विराट कोहली, सूर्यकुमार, श्रेयस, ऋषभ, ईशान

ऑलराउंडर
वेंकेटश अय्यर, वाशिंगटन सुंदर

स्पिनर
रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल

तेज गेंदबाज: जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), भुवनेश्वर कुमार, दीपक चाहर, प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दूल ठाकुर और मोहम्मद सिराज

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS

पूरे साल क्रिकेट की भरमार : 100 दिन एक्शन में रहेगी टीम इंडिया पाकिस्तान से 3 भिड़ंत; आईपीएल के 74 मैच बढ़ाएंगे रोमांच

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

2021 खत्म हो गया है। पूरे साल खिलाड़ियों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। टीम इंडिया ने 2021 में ऑस्ट्रेलिया को उन्हीं के सरजमीं पर टेस्ट सीरीज में मात दी। वहीं, इंग्लैंड की धरती पर भी हम 2 टेस्ट मैच जीते। हालांकि, टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन 2022 में टीम इंडिया के पास वर्ल्ड कप जीतने का भी मौका है। पाकिस्तान के साथ भी हमारे 2 बड़े मुकाबले तय हैं। पहली भिड़ंत एशिया कप में होगी और दूसरा महा-मुकाबला टी-20 वर्ल्ड कप में होगा। वहीं, इंग्लैंड दौरे पर भी टीम इंडिया के पास टेस्ट सीरीज जीतने का मौका होगा। आइए आपको 2022 में भारतीय क्रिकेट टीम का क्रिकेट कैलेंडर के बारे में बताते हैं।

अफ्रीकी दौरे पर भारतीय सेना

टीम इंडिया फिलहाल साउथ अफ्रीका के दौरे पर है। जहां, सेंचुरियन में खेला गया पहला टेस्ट कोहली एंड कंपनी ने 113 रन से जीता और 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। सीरीज के बचे हुए दो टेस्ट और वनडे सीरीज इस साल 2022 में खेली जाएगी। यह अफ्रीकी दौरा भारतीय टीम के लिए काफी अहम माना जा रहा, क्योंकि टीम ने आज तक अफ्रीकी सरजमीं पर एक बार भी टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। इस साल टीम इंडिया टेस्ट सीरीज अपने नाम कर फैंस को ये यादगार तोहफा दे सकती है।

अफ्रीका से आने के बाद विंडीज की चुनौती

सा. अफ्रीका से लौटने के बाद टीम इंडिया के सामने अगला लक्ष्य वेस्टइंडीज के सामने होगा। वेस्टइंडीज भारत के दौरे पर 3 वनडे और 3 टी-20 मैच खेलने के लिए आएगा। आखिरी बार वेस्टइंडीज की टीम 2019/20 में भारत के दौरे पर आई थी।

5 साल बाद भारत आएगा श्रीलंका

2022 में टीम इंडिया का अगला सामना श्रीलंका से होगा। लंकाई टीम पूरे 5 सालों के बाद भारत दौरे पर आएगी। आखिरी बार टीम 2017 में भारत दौरे पर आई थी। साल 2022 के भारत दौरे पर श्रीलंका 2 टेस्ट मैच और 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगा। इस सीरीज के बाद ढ्ढक्क2ह्22 का आयोजन होगा।

आईपीएल 2022 के 74 मैच:- इस बार इंडियन प्रीमियर लीग का रोमांच पहले से और ज्यादा होने वाला है। 2022 से टूर्नामेंट में आठ की बजाह 10 टीमें खेलती नजर आएगी। वहीं, इस बार मैच भी 60 की बजाय कुल 74 खेले जाएंगे। भारत में ढ्ढक्क को क्रिकेट के त्यौहार के रूप में माना जाता है और 74 मुकाबले वाकई में फैंस को काफी एंटरटेन करने वाले हैं।

फिर अफ्रीका से होंगे दो-दो हाथ

IPL 2022 के बाद टीम इंडिया एक बार फिर से नीली जर्सी में नजर आएगी। इस बार टीम का सामना घरेलू मैदानों पर साउथ अफ्रीका के साथ होगा। दोनों देशों के बीच कुल 5 टी-20 मुकाबले खेले जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

कोविशील्ड के बिक्री अधिकार मिलें: सीरम

नई दिल्ली। टीका बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने कोविशील्ड के पूर्ण विपणन अधिकार के लिए आवेदन किया है। एसआईआई के मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) अदार पूनावाला ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। पूनावाला ने ट्विटर पर लिखा, %भारत में कोविशील्ड टीके की आपूर्ति का आंकड़ा 1.25 अरब खुराक से अधिक हो गया है। पूर्ण विपणन का अधिकार देने के लिए भारत सरकार के पास अब पर्याप्त आंकड़े उपलब्ध हो गए हैं। इसे ध्यान में रखते हुए उनकी कंपनी ने सरकार से इस टीके के पूर्ण विपणन अधिकार के लिए आवेदन किया है। पिछले वर्ष जनवरी में सरकार ने आपात स्थिति में इस्तेमाल के लिए कोविशील्ड को मंजूरी दी थी। कंपनी अब प्रत्येक महीने इस टीके की 25 करोड़ खुराक बनाने की क्षमता हासिल कर चुकी है। देश में अब कोविड-19 महामारी से बचाव के जितने टीके लगाए गए हैं उनमें कोविशील्ड की हिस्सेदारी 88 प्रतिशत है। सरकार आपात स्थिति में किसी जानलेवा बीमारी की पहचान, इसकी रोकथाम से बचाव के लिए सीमित आंकड़ों के आधार पर अस्थायी तौर पर किसी दवा या टीके के इस्तेमाल की अनुमति देती है। उपभोक्ताओं द्वारा इस्तेमाल के लिए पूर्ण अनुमति देने से पहले दवा नियामक अधिक से अधिक तथ्यों एवं साक्ष्यों का अध्ययन करता है। इकनॉमिकल लॉज प्रैक्टिस (ईएलपी) में पार्टनर (मुकदमा एवं विवाद समाधान व्यवहार) आशिष प्रसाद ने कहा कि परीक्षण के तीनों चरणों के बाद आए सभी आकड़ों का अध्ययन करने के बाद दवा नियामक किसी दवा या टीके के पूर्ण इस्तेमाल की अनुमति देता है और उसके बाद संबंधित उत्पाद को सार्वजनिक बाजार में बिक्री के लिए सुरक्षित एवं उपयुक्त समझा जाता है। आपात स्थिति में दवा नियामक त्वरित गति से पहले और दूसरे चरण के परीक्षण के आंकड़ों पर विचार करने के बाद किसी टीके या दवा के सीमित इस्तेमाल की अनुमति देता है। हालांकि इस प्रक्रिया में भी सुरक्षा मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाता है।

नए साल में दो दर्जन नई कारें और एसयूवी मॉडल उतरेंगे

नई दिल्ली। नए साल में अक्सर अलग-अलग कीमत श्रेणी में गाडियों के नए मॉडलों की पेशकश की जाती है और साल 2022 भी कुछ अलग नहीं होने वाला है। इस साल के खत्म होने में कुछ ही दिन बचे हैं और करीब दो दर्जन नई कारें और एसयूवी मॉडल सड़कों पर रफ्तार लगाने के लिए तैयार हैं क्योंकि वाहन कंपनियां व्यक्तिगत सवारी को अधिक तरजीह दे रही हैं। प्रीमियम और लक्जरी सेगमेंट में नई इलेक्ट्रिक कारों को लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। इस तरह का रुझान एक ऐसे साल के बाद देखा जा रहा है जब दुनिया भर में चिप की कमी के कारण वाहनों उत्पादन में खासा नुकसान हुआ।

नए साल पर पेंशनर्स को सरकार का तोहफा जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की समय सीमा बढ़ी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

नया साल पेंशनभोगियों के लिए एक राहत भरी खबर लेकर आया है। दरअसल, सरकार ने उनके लिए जीवन प्रमाण पत्र (लाइफ सर्टिफिकेट) जमा कराने की अंतिम तिथि को और आगे बढ़ा दिया है। अभी तक पेंशनभोगी के लिए ये काम करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 दिसंबर तक की गई थी लेकिन अब पेंशनर्स अपना लाइफ सर्टिफिकेट 28 फरवरी 2022 तक जमा करा सकते हैं।

पेंशन न रुके इसलिए लाइफ सर्टिफिकेट जरूरी

पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने दूसरी बार डेडलाइन बढ़ाने की घोषणा की है। बता दें कि हाल ही में सरकार ने लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की अंतिम तिथि को 30 नवंबर से बढ़ाकर 31 दिसंबर किया था और अब इसे 28 फरवरी 2022 तक के लिए बढ़ा दिया गया है। सरकार के इस कदम से उन लोगों को राहत मिलेगी, जिन्होंने

निर्धारित तिथि तक प्रमाण पत्र जमा नहीं करा पाया था। गौरतलब है कि पेंशनभोगियों को पेंशन हासिल करते रहने के लिए जीवन प्रमाण पत्र को जमा करना होता है। जिससे उसके जिंदा होने की पुष्टि होती है।

फिजिकल या डिजिटल कर सकते हैं जमा

:- डिपार्टमेंट ऑफ पेंशन एंड पेंशनर्स वेलफेयर के मुताबिक, अगर पेंशनधारक चाहते हैं कि उनकी पेंशन न रूके और हर महीने मिलती रहे, तो वे फिजिकल तौर पर या डिजिटल, दोनों तरीके से अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा कर सकते हैं। जीवन प्रमाण पत्र देश भर में पेंशनभोगियों के लिए बिना किसी परेशानी या ब्रेक के अपना मासिक भत्ता यानी पेंशन पाने का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। पेंशनर्स पेंशन वितरण प्राधिकरणों (पीडीए) जैसे बैंकों, डाकघरों और अन्य से मिलता पेंशन पाने वाले पेंशनधार अपने घर बुलाकर भी अपना लाइफ सर्टिफिकेट दे सकते हैं।

ऑनलाइन निकालें लाइफ सर्टिफिकेट :- पेंशनर्स को अपना लाइफ सर्टिफिकेट बनवाने के लिए स्वयं कहीं भी जाने की जरूरत नहीं है। लाइफ सर्टिफिकेट स्वयं ऑनलाइन भी जेनरेट किया जा सकता है। सीनियर सिटिजन एक सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन का इस्तेमाल करके अपने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र निकाल सकते हैं। इसके लिए एक सुरक्षित आधार आधारित बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन सिस्टम भी जरूरी है। पेंशनभोगी, साथ ही पीडीए जब भी आवश्यक हो, किसी भी समय अपना डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र निकाल सकते हैं। डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट स्टोर भी किया जा सकता है।

ऑनलाइन जमा करने का ये है तरीका

जीवन प्रमाण पोर्टल (https://jeevan-pramaan.gov.in/) के जरिए पेंशनधारक ऑनलाइन अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा कर सकते हैं। इसके लिए पेंशनधारक को यूआईडीएआई आधारित फिंगरप्रिंट की जरूरत पड़ेगी। फिंगरप्रिंट डिवाइस की मदद से पेंशनधारक को जीवन प्रमाण पोर्टल के एप पर रजिस्टर करना होगा और अपना आधार नंबर, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी का जिक्र करना होगा। इस तरह से पेंशनधारक अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा कर सकते हैं। पेंशनधारकों का खाता जिस बैंक या पोस्ट ऑफिस में है, वहां जाकर वे लाइफ सर्टिफिकेट के फॉर्म को भरकर जमा कर सकते हैं। फॉर्म बैंक या पोस्ट ऑफिस के काउंटर पर ही उपलब्ध होते हैं।

दिसंबर में बिजली की खपत 4.5 फीसदी बढ़कर 110.34 अरब यूनिट पर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में बिजली खपत बीते माह यानी दिसंबर, 2021 में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 4.5 प्रतिशत बढ़कर 110.34 अरब यूनिट (बीयू) पर पहुंच गई। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पिछले साल समान अवधि यानी दिसंबर, 2020 में बिजली की खपत 101.08 अरब यूनिट रही थी। विशेषज्ञों का मानना है कि देशभर में आर्थिक गतिविधियों में सुधार के बीच दिसंबर में बिजली का उपभोग स्थिर तरीके से बढ़ा है। हालांकि, उन्होंने देश में कोविड-19 के

नए स्वरूप ओमीक्रॉन के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कई राज्यों द्वारा लॉकडाउन अंकुश लगाए जाने की वजह से बिजली की वाणिज्यिक और औद्योगिक मांग प्रभावित हो सकती है। इस बीच, दिसंबर, 2021 में व्यस्त समय की पूरी की गई बिजली की मांग यानी एक दिन में बिजली की अधिकतम आपूर्ति बढ़कर 183.39 गीगावॉट पर पहुंच गई, जो दिसंबर, 2020 में 182.78 गीगावॉट और दिसंबर, 2019 में 170.49 गीगावॉट रही थी। नवंबर में बिजली की खपत 2.6 प्रतिशत बढ़कर 99.37 अरब यूनिट रही थी। नवंबर, 2020 में यह 96.88 अरब यूनिट और नवंबर, 2019 में 109.17 अरब यूनिट दर्ज की गई थी। अक्टूबर, 2021 में देश में बिजली की खपत 3.3 प्रतिशत बढ़कर 112.79 अरब यूनिट पर पहुंच गई थी। वहीं अक्टूबर, 2020 में यह 109.17

दिसंबर में बिजली की खपत 4.5 प्रतिशत बढ़कर 110.34 अरब यूनिट पर

नई दिल्ली। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पिछले साल समान अवधि यानी दिसंबर, 2020 में बिजली की खपत 101.08 अरब यूनिट रही थी। विशेषज्ञों का मानना है कि देशभर में आर्थिक गतिविधियों में सुधार के बीच दिसंबर में बिजली का उपभोग स्थिर तरीके से बढ़ा है। हालांकि, उन्होंने देश में कोविड-19 के नए स्वरूप ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कई राज्यों द्वारा लॉकडाउन अंकुश लगाए जाने की वजह से बिजली की वाणिज्यिक और औद्योगिक मांग प्रभावित हो सकती है। इस बीच, दिसंबर, 2021 में व्यस्त समय की पूरी की गई बिजली की मांग यानी एक दिन में बिजली की अधिकतम आपूर्ति बढ़कर 183.39 गीगावॉट पर पहुंच गई, जो दिसंबर, 2020 में 182.78 गीगावॉट और दिसंबर, 2019 में 170.49 गीगावॉट रही थी।

नए साल में सुधरेगी अर्थव्यवस्था

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई/नई दिल्ली

शीर्ष भारतीय कंपनियों के ज्यादातर मुख्य कार्याधिकारियों (सीईओ) का अनुमान है कि नए साल में अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार आएगा। उन्होंने क्षमता बढ़ाने और नियुक्तियां तेज करने की भी योजना बनाई है। दिसंबर में 40 सीईओ का सर्वेक्षण किया गया, जो दर्शाता है कि कंपनियां वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था में उछाल आने की उम्मीद कर रही हैं। पोल में शामिल 90 फीसदी सीईओ का अनुमान है कि उपभोक्ता खर्च, खास तौर पर ग्रामीण इलाकों में वर्ष 2022 में बढ़ेगा। वर्ष 2021 में कारों और दोपहिया वाहनों की बिक्री में गिरावट रही। भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी उम्मीद जताते हुए 53 फीसदी सीईओ ने कहा कि यह 8.5 फीसदी से अधिक बढ़ेगी, जबकि 30 फीसदी का मानना है कि इसमें उस स्तर की वृद्धि नहीं होगी। शेष ने कोई अनुमान नहीं जताया। निर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एलऐंडटी के कार्यकारी चेयरमैन एएम नाइक ने कहा, हर कोई 8.5 और 9.5 फीसदी जीडीपी वृद्धि की बात करता है। लेकिन मेरा मानना है कि वास्तविक मापदंड के हिसाब से 7 से 7.5 फीसदी से अधिक नहीं रहेगी।% नाइक ने कहा, %जीडीपी 8 फीसदी वृद्धि दिखा सकता है क्योंकि कोविड-19 की वजह से आधार घट गया था। लेकिन वास्तविक वृद्धि महज 3.5 या 4 फीसदी है। जब कोविड से पहले के जीडीपी के स्तर में वृद्धि होगी, तब वह वास्तविक वृद्धि होगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दिसंबर की शुरुआत में भारतीय अर्थव्यवस्था की उजली तस्वीर पेश की थी। इसने कहा कि 2020-21 की पहली तिमाही में बड़े संकुचन के बाद यह उस स्थिति में आ गई है, जिसमें 2021-22 की पहली तिमाही में देश का जीडीपी 13.7 फीसदी बढ़ा है। ज्यादातर सीईओ ने अर्थव्यवस्था के सकारात्मक परिदृश्य का अनुमान जताया। उनमें से 83 फीसदी ने कहा कि उन्होंने नए साल में नई नियुक्तियां करने की योजना बनाई है।

जनवरी में कुल 16 दिन बंद रहेंगे बैंक फटाफट चेक छुट्टियों की लिस्ट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

नए साल के पहले महीने में अलग-अलग राज्यों में कई छुट्टियां रहने वाली हैं। जनवरी 2022 में कुल 16 दिन सभी पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर बैंक बंद रहने वाले हैं। जनवरी में त्योहारों के कारण RBI ने अलग-अलग राज्यों में कई दिन बैंक बंद होने का ऐलान किया है। वैसे, ऑनलाइन मोड में बैंकिंग सर्विस का इस्तेमाल कर पाएंगे।

राज्यों में अलग-अलग होते हैं अवकाश

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जनवरी में त्योहारों के कारण कई दिन बैंक के बंद होने का ऐलान किया है। राज्यों में अलग-अलग दिन त्योहार के कारण छुट्टी रहने वाली है। कई राज्यों में बैंक की छुट्टियां अलग-अलग होती हैं। दरअसल, बैंकिंग अवकाश विभिन्न राज्यों में मनाए जाने वाले त्योहारों या उन राज्यों में होने वाले त्योहारों पर भी निर्भर करती है।

जनवरी 2022 बैंक छुट्टियों की लिस्ट

1 जनवरी- शनिवार (नए साल का दिन)
2 जनवरी- रविवार (वर्किंग हॉलिडे)
4 जनवरी- मंगलवार (लोसूंग -सिक्किम)
8 जनवरी- शनिवार (सेंकेंड सैटर्डे)
9 जनवरी- रविवार (वर्किंग हॉलिडे)
11 जनवरी- मंगलवार (मिशनरी डे - मिजोरम)
12 जनवरी- बुधवार (स्वामी विवेकानंद का जन्मदिन)
14 जनवरी- शुक्रवार (मकर संक्रांति/पोंगल))
15 जनवरी- शनिवार (उत्तरायण पुण्यकाल मकर संक्रांति उत्सव/माघे संक्रांति/संक्रांति/पोंगल/तिरुवल्लुवर दिवस)
16 जनवरी- रविवार (वर्किंग हॉलिडे)
18 जनवरी- मंगलवार (थाई पूसम-चेन्नई)
22 जनवरी- शनिवार (फोर्थ सैटर्डे)
23 जनवरी- रविवार (वर्किंग हॉलिडे)
26 जनवरी- बुधवार (गणतंत्र दिवस)
30 जनवरी- रविवार (वर्किंग हॉलिडे)
31 जनवरी- सोमवार (मी-डैम-मे-फी, असम)

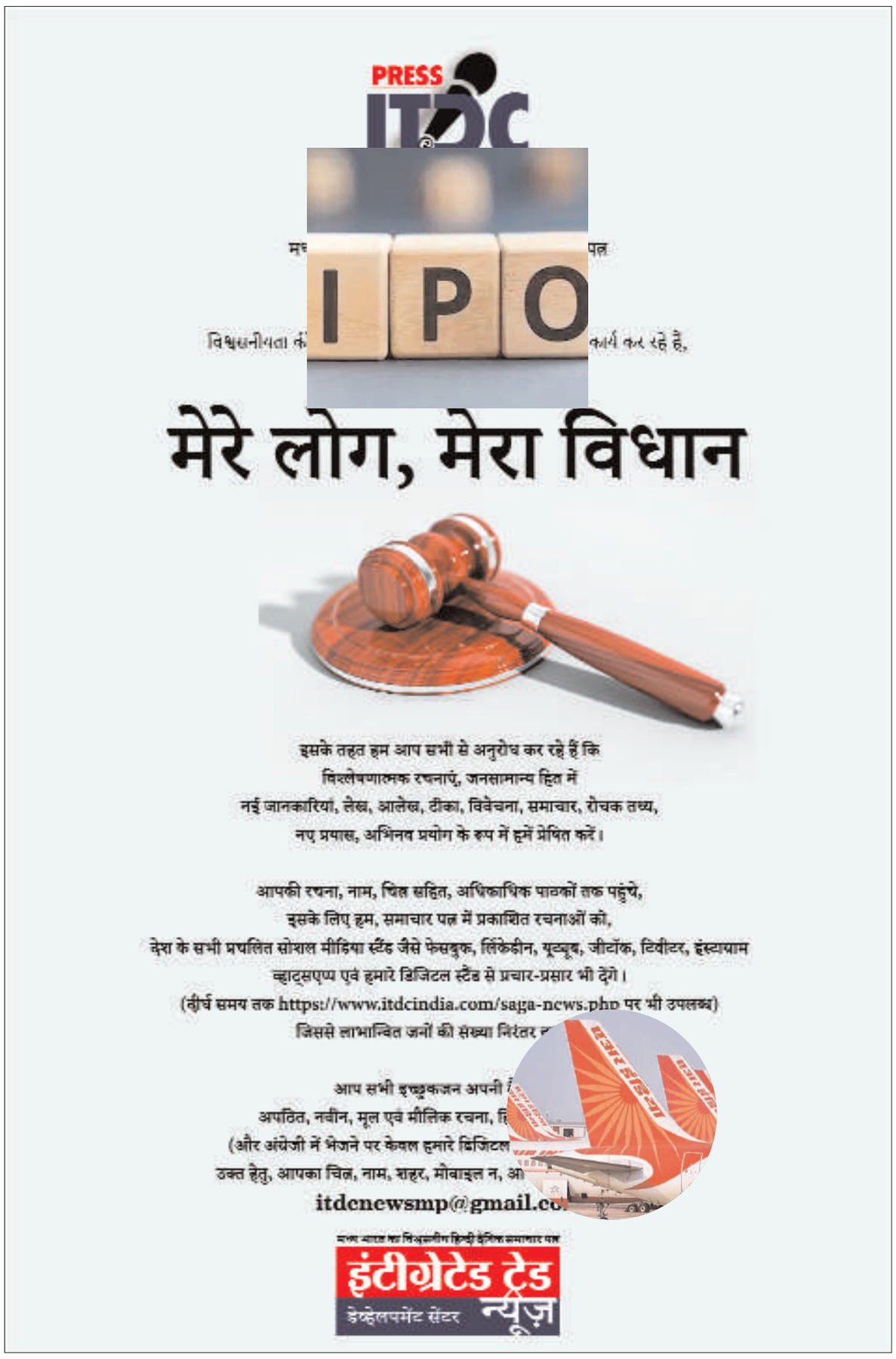

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।